RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 204 , रविवार, 06 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

शिक्षक दिवस पर बच्चों ने लगाए पौधे, प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प 03

गांधीघाट पर गूंजा 'जय श्रीकृष्ण', छह दिवसीय जन्माष्टमी मेले का भव्य आगाज 04

नीति मोहन ने माहिया को बताया प्यार और अपनापन बयां करने... 07

राजस्थान-एमपी और यूपी में मौसम का आतंक

झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी में लगातार बारिश हो रही है। एमपी के 19 जिलों में शनिवार को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जयपुर में रातभर हुई बारिश के कारण तापमान में 7 डिग्री तक की गिरावट आई है। झालावाड़ अलर्ट जारी किया गया है। अगले पांच दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। गंगा-यमुना समेत 10 से अधिक नदियों के उफान पर होने से प्रदेश के 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। करीब 3.53 लाख लोग प्रभावित हैं, जबकि 17,544 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है वहीं बिहार में भी 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा विभाग के मुताबिक, पटना में गंगा का जलस्तर अब तक के हाइएस्ट फ्लड लेवल को पार कर सकता है। उत्तराखंड के केदारनाथ में भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते यात्रियों को रोका गया है।

● सभी नदियां उफान पर, स्कूल बंद, बिहार में बाढ़ ● 6.65 लाख लोग प्रभावित, चारधाम यात्रा रुकी

आज भारी बारिश का अलर्ट है। शिवपुरी-मुरैना समेत 7 जिलों में स्कूल बंद हैं। राजस्थान के धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर में में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर ऐक्टिव है। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का यलो

झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद आया ऐतिहासिक फैसला

एनआईए की विशेष अदालत ने सभी 10 आरोपियों को ठहराया दोषी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के इतिहास के सबसे काले और दहला देने वाले अध्यायों में से एक, झीरम घाटी नक्सल हमले के मामले में आखिरकार न्याय की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने करीब 13 साल पुराने इस मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए सभी 10 बचे हुए आरोपियों को दोषी करार दिया है। लंबे समय से फैसले का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों और समर्थकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

25 मई 2013 को हुआ था नरसंहार- यह वीभत्स घटना 25 मई 2013 की है, जब कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दौरान दरभा की झीरम घाटी में नक्सलियों ने घात लगाकर सुनियोजित हमला किया था।

थर्मल प्लांट्स में सिर्फ 9 दिन का बचा है स्टॉक

देश में कोयले की कमी

बढ़ेगा बिजली संकट

● 50 संयंत्रों में स्थिति बेहद खराब, गंभीर है स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिजली की भारी मांग और मानसून के कारण आपूर्ति में आई रुकावटों के चलते देशभर के थर्मल पावर प्लांट्स में कोयले का भंडार तय मानक के आधे से भी कम रह गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के मुताबिक, 2 सितंबर तक देश के 50 पावर प्लांट्स में कोयले का स्टॉक क्रिटिकल यानी गंभीर रूप से कम स्तर पर पहुंच गया है।

सीईए के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 224 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले इन संयंत्रों के पास बुधवार तक 28.2 मिलियन टन कोयला उपलब्ध था, जो कि 58.7 मिलियन टन की निर्धारित आवश्यकता का महज 48 प्रतिशत है। 85 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर पर यह उपलब्ध स्टॉक लगभग 9 दिनों की जरूरत के लिए ही पर्याप्त है, जबकि सामान्य स्थिति में कम से कम 19 दिनों का बैकअप होना चाहिए।

● **बारिश से आपूर्ति प्रभावित होने से मेंटेनेंस टालने के निर्देश-** अधिकारियों के अनुसार, 85 प्रतिशत पीएलएफ पर संयंत्रों की मानक आवश्यकता 3.1 मिलियन टन प्रतिदिन आंकी जाती है, लेकिन वास्तविक दैनिक खपत लगभग 2.4 मिलियन टन है। हर साल मानसून के दौरान खदानों और परिवहन में रुकावट आने से कोयला आपूर्ति प्रभावित होती है, लेकिन सितंबर से बारिश कम होने के साथ ही स्थिति में सुधार होने लगता है।

संयंत्रों में 25 फीसदी से भी कम बचा कोयला स्टॉक

नियमों के अनुसार, जिन संयंत्रों के पास निर्धारित मानक का 25 प्रतिशत से भी कम कोयला बचता है, उन्हें क्रिटिकल श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। गंभीर कमी का सामना कर रहे इन 50 संयंत्रों में से 45 संयंत्र घरेलू कोयले, 4 संयंत्र आयातित और 1 संयंत्र कोयला धुलाई के अवशेष पर निर्भर है। कोयला मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सभी संवेदनशील संयंत्रों की एक अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा रोजाना निगरानी की जा रही है और उन्हें लगातार ईंधन भेजा जा रहा है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीईए के नियमों के तहत किसी प्लांट को क्रिटिकल घोषित करना एक नियमित निगरानी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसका मतलब केवल यह है कि उन पर पैनी नजर रखी जाए और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। इन संयंत्रों में कोयले की सप्लाई खत्म नहीं हो रही है।

'ऑपरेशन अशदार' में मारे गए आतंकी की पहचान

● पहलगाम आतंकी हमले में था शामिल, सेना ने किया ढेर ● अंतिम आतंकी का भी खात्मा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ऑपरेशन अशदार में मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार आतंकवादी की पहचान यासिर के तौर पर हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। वह पाकिस्तानी का रहने वाला था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन के बाद मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली गई है। यह पाकिस्तान के रहने वाला था और वहां के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़ा था। पुलिस ने लखा है

कि आप भाग सकते हैं लेकिन छिप नहीं सकते। इस आतंकी का पहलगाम आतंकी हमले से भी कनेक्शन जुड़ रहा है।

पहलगाम के हमलावरों का साथी था यासिर- पहलगाम हमले के बाद जब आतंकवादियों की तस्वीर जारी की गई थी। उसमें यासिर भी शामिल था। ऑपरेशन अशदर में पाकिस्तान के रहने वाले इस आतंकवादी को मार गिए जाने को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने धर्म पूछकर लोगों को मारा था। सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुल चार आतंकियों की एक संयुक्त तस्वीर जारी की थी।

आखिरी आतंकी का भी खात्मा

सुरक्षाबलों ने पिछले साल जुलाई में ऑपरेशन महादेव में हाशिम मूसा को ढेर किया था। ऐसे में पहलगाम आतंकी घटना के बाद अब सुरक्षाबलों ने चारों आतंकियों को खत्म कर दिया है। हाशिम मूसा लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर था। पहलगाम आतंकी हमले में आधिकारिक तौर पर 26 लोग मारे गए थे। यह हमला 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के पास बैसरन घाटी में हुआ था। इस बर्बर हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक (टट्टू चालक) की जान चली गई थी।

तमिलनाडु में स्कूल के खाने में मिलवाया गोबर पाउडर

रसोइया के पति पर आरोप; पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 48 साल के अरुमुगम को गिरफ्तार किया है। वह स्कूल की रसोइया का पति है। वह अपनी पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था। मामला सत्यमंगलम के पास रामापयलूर के सरकारी मिडिल स्कूल का है, जहां 51 बच्चे पढ़ते हैं। जांच में पता चला कि पाउडर सिर्फ टीचरों के लिए अलग रखे गए सांभर में मिला था, बच्चों को परोसे जाने वाले खाने में नहीं। 31 अगस्त को स्कूल की शिक्षिका रेवती ने नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर को चखकर देखा। उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगा। उन्होंने हेडमिस्ट्रेस कुमुधा को इसकी जानकारी दी।

छात्रा को गोबर पाउडर खरीदने के लिए 10 रुपए दिए

पुलिस के मुताबिक, आरोपी अरुमुगम ने एक छात्रा को 10 रुपए देकर पास की दुकान से गोबर पाउडर खरीदने और सांभर में मिलाने को कहा था। छात्रा ने 5 रुपए का नाश्ता खरीदा और बाकी 5 रुपए से गोबर पाउडर लिया। इसके बाद उसने इसे टीचर के लिए अलग रखे सांभर में मिला दिया।

यूपी के सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद पर चला बुलडोजर

अखिलेश बोले-सच्चा हिंदू दूसरे धर्मों का अपमान नहीं करता, ओवैसी भी भड़के

सहारनपुर (एजेंसी)। यूपी में सहारनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में 70 साल पुरानी मस्जिद ढहाई जा रही है। शनिवार तड़के 4 बजे से 6 बुलडोजर मस्जिद को तोड़ने में जुटे हैं। एहतियात के तौर पर 5 कंपनी पीएसी, रैफ और पुलिस के 200 जवान तैनात हैं। पुलिस किसी को मस्जिद के पास जाने नहीं दे रही है। फिलहाल मस्जिद का 70 फीसदी हिस्सा तोड़ा जा चुका है। कार्रवाई मजिस्ट्रेट के आदेश पर हो रही है। कोर्ट ने मस्जिद को अवैध बताया था। इससे पहले, शुक्रवार रात 11 बजे अफवाह फैली कि प्रशासन मस्जिद को तोड़ने जा रहा है। इसके बाद भारी भीड़ जुट गई थी। तुरंत ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। लोगों को हटाया। कार्रवाई के खिलाफ सहारनपुर आ रहीं कैराना सांसद इकरा हसन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कि सच्चा हिंदू कभी दूसरे धर्म का अपमान नहीं कर सकता। ये इसलिए हो रहा है, क्योंकि भगवान राम के मंदिर में चोरी करते हुए पकड़े गए हैं।

देश के 48 शिक्षकों को मिला नेशनल अवॉर्ड

महाराष्ट्र के वैभव ने वीडियो बनाकर मैथ्स कर दी आसान

राजस्थान के दिव्येंदु ने पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर पढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए।

महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी ने गणित के मुश्किल टॉपिक समझाने के लिए 700 से ज्यादा वीडियो बनाए। वहीं राजस्थान के दिव्येंदु सेन ने 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर बच्चों को पेड़ों की जानकारी देने का नया तरीका अपनाया। इसके अलावा पंजाब के दिनेश कुमार ने वर्चुअल फिजिक्स लैब और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए। 48 स्कूल शिक्षकों के अलावा उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक व फैकल्टी सदस्य और कौशल विकास मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षकों को भी नेशनल टीचर अवॉर्ड मिला है।

शिक्षकों की अलग-अलग पहल ने दिलाया सम्मान

मंजरी महाजन, हिमाचल प्रदेश : स्कूल में बच्चों की पढ़ाई के साथ पर्यावरण बचाने पर काम किया। कचरा अलग करना, प्लास्टिक जमा करना और कैंपस को प्लास्टिक से मुक्त रखने की व्यवस्था की। दिव्येंदु सेन, राजस्थान : बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़ी पढ़ाई कराई और उनके साथ 12 नए क्षुद्र ग्रह खोजे। स्कूल के 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर उनके बारे में जानकारी दी। डॉ. वर्तिका गुलाटी, राजस्थान : बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए गूगल मीट और गूगल फॉर्म का इस्तेमाल किया। कोविड के दौरान ऑनलाइन कक्षाएं लेकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। दिनेश कुमार, पंजाब : वर्चुअल फिजिक्स लैब बनाई और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए। इससे बच्चों को फिजिक्स आसानी से समझने में मदद मिली और उनका डर कम हुआ। रवि जयसवाल, चंडीगढ़- स्कूल में 3डी गुंबद थिएटर और मौसम केंद्र बनाया। मौसम के बारे में सीधे प्रयोग बताया।

शुरू हुआ 'वीर गार्जियन 2026' का युद्धाभ्यास

● आसमान में गरजेगी भारत और जापान की संयुक्त ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास वीर गार्जियन 2026 का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है। **मजबूत होंगे दोनों देशों के रिश्ते-** भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा। इससे भारत और जापान के बीच दोस्ती बढ़ेगी।

भारत ने सिंधु नदी पर बनाया पत्थरों का बांध

10 फीट तक बढ़ा जलस्तर

लेह (एजेंसी)। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है। पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा। यहां बता दें की सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था।

● **अब तक सूखे रहते थे खेत-** लद्दाख के किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि उनके पास दुनिया की प्रमुख नदियों में से एक सिंधु मौजूद थी, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना संभव नहीं था। सिंधु नदी गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है, ऐसे में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना आसान नहीं था। अब यह डैम बनने से जलस्तर करीब 10 फीट ऊंचा हो गया है और इससे पानी को खेतों तक पहुंचाना संभव हो पा रहा है। भले ही इससे बिजली उत्पादन संभव नहीं है, पर लद्दाख के किसानों के लिए अच्छी है।

मात्र एक दिन की पुलिस कस्टडी में स्वतंत्र भारद्वाज

● निशु आजाद के पिता से मारपीट मामले में ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान निशु आजाद के पिता से मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक दिन पहले भारद्वाज को पुलिस ने पकड़ा था अब उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में संबंधित जज के आवास पर शनिवार को स्वतंत्र भारद्वाज की पेशी हुई। जिसके बाद उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में जज ने भेजा है। यह मामला प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय आजाद संग मारपीट की घटना से जुड़ा है। वहीं 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज के सपोर्ट में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने पर्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाद प्रदर्शन भी किया है। स्वतंत्र भारद्वाज पर जिस कथित मारपीट की घटना को लेकर कार्रवाई हो रही ये पूरा मामला जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान का है। हालांकि अब ये सुर्खियों में इसलिए आया क्योंकि स्वतंत्र भारद्वाज ने बयान दिया है।

महिला टीचर का जवाब-आपको कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए

मोदी ने पूछा-पब्लिक से कैसे बात करें, हमें टिप्स दें

● पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। पीएम मोदी के यूट्यूब

चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना

चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। इस साल तीन विभागों से 82 टीचर्स और एजुकेटर्स को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड के लिए चुना गया। इनमें 48 स्कूली टीचर हैं। इनके अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से 21 फैकल्टी सदस्य, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से 13 स्किल ट्रेनर चुने गए हैं।

स्क्रीन टाइम एक तरह से लत बन गया

स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है। अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है। ड्रेस कोड का मुद्दा कुछ बड़े शहरों या यूनिवर्सिटी में सामने आया है। वहां अक्सर जागरुकता की कमी होती है। कभी-कभी नियम बिना किसी स्पष्टीकरण के ही लागू कर दिए जाते हैं। आज शिक्षकों को बच्चों के मन में पैदा होने वाली आशंकाओं और इससे जुड़े प्रभावों के प्रति लगातार जागरुक रहने की जरूरत है। यह देखना चाहिए कि कौन से कदम बच्चों के व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

थाना-ब्लॉक में बिना घूस काम नहीं होता - तेजस्वी यादव

हाजीपुर। वैशाली में बिदुपुर के संत कबीर महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित महोत्सव में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म पाप और अत्याचार खत्म करने के लिए हुआ था। आज देश और बिहार में हर जगह भ्रष्टाचार फैला हुआ है। थाना और ब्लॉक में बिना घूस दिए कोई काम नहीं होता। तेजस्वी यादव ने कहा कि पेपर लीक होना अब आम बात हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई जाती हैं। बिहार में जाति देखकर मुठभेड़ की जाती है और जाति के आधार पर पत्रकारों को झूठे केस में फंसाया जाता है। उन्होंने लोगों से अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक होकर आवाज उठाने की अपील की।

पाग और माला पहनाकर सम्मान दिया: उन्होंने कहा कि जब सभी लोग मिलकर एक होंगे, तभी व्यवस्था में बदलाव आ पाएगा। तेजस्वी ने राघोपुर विधानसभा क्षेत्र और बिदुपुर के लोगों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रीकृष्ण महोत्सव आयोजन समिति को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई भी दी। इस कार्यक्रम में तेजस्वी यादव को पाग और माला पहनाकर सम्मान दिया गया। इस मौके पर आयोजन समिति के राजा यादव, पिंटू यादव उर्फ मनीष कुमार, कौशल कुमार, राजीव रंजन सिंह, इंजीनियर सुनील कुमार मौजूद थे। इनके साथ ही कई पंचायतों के मुखिया, समिति सदस्य और दूसरे गणमान्य लोग भी वहां उपस्थित थे।

शिक्षक समाज के निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : कपिलदेव प्रसाद यादव

पटना। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 138 वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को शिक्षक दिवस प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव ने की। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कपिलदेव प्रसाद यादव ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और राष्ट्रनायक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा और समाज के उत्थान के लिए समर्पित किया। उनका मानना था कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के चरित्र निर्माण और राष्ट्र के विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। एक मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए शिक्षकों का सम्मान और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। इस अवसर पर ए.आई.सी.सी के प्रभारी माणिकराव ठाकरे, बिहार कांग्रेस के सह प्रभारी शाहनवाज आलम, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, डा स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, मिन्नत रहमानी, डा कुमारी सोनी, चन्द्रभूषण राजपूत, अरविन्द लाल रजक, गोरख नाथ, डा अमन कुमार, रविन्द्र पासवान, शशि भूषण पंडित, डा परवेज, शैली विनोद, आरती कुमारी, अमित कुमार, सुरेश मुखिया, अरविन्द कुमार पासवान, अरूण कुमार, माधुरी कुमारी सहित अन्य नेता मौजूद थे।

धनुकी की महादलित बस्ती डूबी, महुआ बाग, सलारपुर समेत कई गांवों में 7-8 फीट तक पानी

फुलवारीशरीफ। पटना के ग्रामीण इलाकों में पुनपुन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से बाढ़ का संकट लगातार गहराता जा रहा है। धनुकी, महुआ बाग, सालारपुर समेत नदी किनारे बसे कई गांवों में पानी 7 से 8 फीट तक बढ़ गया है। नुकी गांव की महादलित बस्ती के करीब 50 घर चारों तरफ से पानी से घिर गए हैं। लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। धनुकी की महादलित बस्ती में करीब 50 घर हैं। बस्ती के चारों ओर पानी फैल जाने से लोगों के लिए घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरूरतों के सामान के लिए भी ग्रामीणों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, पुनपुन नदी का पानी जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। कई जगहों पर पानी बांध के ऊपर से बहने की स्थिति बन रही है। अगर नदी का जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो बांध के ऊपर भी पानी फैलने की आशंका है। ऐसे में आसपास के गांवों में बड़े पैमाने पर पानी घुसने का खतरा बढ़ सकता है। बाढ़ के कारण ग्रामीणों के सामने राशन, पीने के पानी और जरूरी सामान की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। सबसे बड़ी परेशानी पशुपालकों के सामने है। मवेशियों के लिए चारा जुटाना लगातार चुनौती बनता जा रहा है। कई जगहों पर पशुओं के रहने के लिए बनाए गए खटाल भी पानी में डूब गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पानी और बढ़ा तो लोगों के साथ-साथ मवेशियों को सुरक्षित रखना भी मुश्किल हो जाएगा। पुनपुन नदी के किनारे बसे गांवों में लगातार बढ़ते पानी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों को आशंका है कि जलस्तर में और वृद्धि होने पर निचले इलाकों में स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। ऐसे में प्रशासन की ओर से समय रहते राहत, सुरक्षित स्थान और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था किए जाने की जरूरत है।

दर्जनों गांव जलमग्न, बाढ़ से फसल भी बर्बाद

बिहटा। पटना के पुनपुन नदी का जलस्तर बढ़ने से पालीगंज अनुमंडल के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। पालीगंज और दुल्हिनबाजार प्रखंड के दर्जनों गांवों में पानी फैलने से लोगों में दहशत है। बाढ़ के कारण पालीगंज अनुमंडल के रूपापुर गांव का संपर्क भी टूट गया है। वहीं, खेतों में पानी भरने से किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन अलर्ट है। शनिवार को पालीगंज SDM चंदन कुमार ने अधिकारियों के साथ बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। SDM ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित गांवों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया। पुनपुन नदी के किनारे बसे डुमरी, इचीपुर, नरवां, सोनियावां, सिंगोड़ी, दहिया, हेल्हा, नदहरी और कोदहरी समेत कई गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, इन इलाकों में बड़ी आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। रूपापुर का संपर्क टूटने के बाद ग्रामीणों के लिए आने-जाने में परेशानी बढ़ गई है। जरूरी काम के लिए भी लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ का असर गांवों के साथ किसानों पर भी पड़ा है। कई खेतों में पानी भरने से फसलें बर्बाद हो गई हैं। SDM ने अधिकारियों को बाढ़ से प्रभावित और बर्बाद हुई फसलों का आकलन करने का निर्देश दिया है, ताकि नुकसान का आंकड़ा तैयार किया जा सके। निरीक्षण के दौरान SDM चंदन कुमार ने ग्रामीणों से अपील की कि वे बेवजह घरों से बाहर न निकलें और सुरक्षित स्थानों पर रहें।

बिहार में बाढ़ का कहर, 11 जिलों के 10.26 लाख लोग प्रभावित, राहत-बचाव कार्य तेज

एजेंसी, पटना

बिहार में नदियों के बढ़े जलस्तर और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह अलर्ट है। प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जा रहे हैं। राज्य के 11 जिलों पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अरवल के 50 प्रखंडों की 201 पंचायतों में करीब 10.26 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 50 चिकित्सा शिविर, 19 वोट एम्बुलेंस और 36 पशु चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। विस्थापित और प्रभावित लोगों के आवागमन तथा सुरक्षित निकासी के लिए 858 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। वहीं, प्रभावित परिवारों के बीच अब तक 12 हजार से अधिक पॉलीथीन शीट और करीब 2,300 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं।

बाढ़ प्रभावित लोगों को दोनों समय गर्म भोजन उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न जिलों में 38 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक करीब 1.21 लाख लोगों को भोजन कराया जा चुका है। इसके अलावा वैशाली जिले में एक राहत शिविर चलाया जा रहा है, जहां करीब 326 बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। संभावित खतरों से निपटने और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए राज्य के विभिन्न प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की सात और एसडीआरएफ की 27 टीमें, यानी कुल 34 टीमें तैनात की गई हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है।

पटना के गांधीघाट में गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर, बंका घाट में 49.45 मीटर और पंडारक में 43.79 मीटर दर्ज किया गया है। इन स्थानों पर गंगा का जलस्तर सर्वोच्च बाढ़ स्तर (एचएफएल) से ऊपर बह रहा है। इसके अलावा गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा नदियां भी विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर हैं। सारण जिले में माही नदी के त्रिलोकचक के पास करीब 20 मीटर तटबंध क्षतिग्रस्त हुआ है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर एसडीआरएफ की टीम भेजी गई है।

जल संसाधन विभाग के अनुसार, वाल्मीकिनगर बराज पर गंडक नदी का जलस्राव 1.26 लाख क्यूसेक, बीरपुर बराज पर कोसी नदी का जलस्राव 1.77 लाख क्यूसेक और इन्द्रपुरी बराज पर सोन नदी का जलस्राव 3.07 लाख क्यूसेक दर्ज किया गया है। बिहार मौसम सेवा केंद्र ने अगले दो दिनों में राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई है। इसे देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने पूरे राज्य में बाढ़ की स्थिति पर लगातार और सूक्ष्म निगरानी बनाए रखी है।

पटना में बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए शहर के सभी 56 डीपीएस चालू रखे गए हैं। इसके अलावा पटना नगर निगम के छह अंचलों में 94 अतिरिक्त पंप, जिनकी क्षमता 7.5 एचपी से 83 एचपी तक है, जलनिकासी के लिए लगाए गए हैं। शहर में जलनिकासी पर दबाव कम करने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा पटना और दानापुर कैनाल में डिस्चार्ज बंद करने की प्रक्रिया की जा रही है। वहीं, गंगा से नालों में बैकफ्लो रोकने के लिए 13 छोटे नालों के स्लूस गेट बंद कर दिए गए हैं। नालों से पानी की निकासी तेज करने के लिए पटना नगर निगम की ओर से पंप सेट भी लगाए जा रहे हैं।

आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मौसम तथा नदियों के जलस्तर में होने वाले बदलाव के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कमांड कंट्रोल सेंटर से बिहार में बाढ़ की वर्तमान स्थिति का लिया जायजा

एजेंसी, पटना

बिहार में नदियों के बढ़ते जल-स्तर के मद्देनजर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी आज पुनः जल संसाधन विभाग के कमांड कंट्रोल सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने निरीक्षण के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर तैनात अधिकारियों से बिहार में बाढ़ की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया एवं तटबंधों के सतत निगरानी के निदेश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने गंगा, पुनपुन, गंडक एवं अन्य नदियों के विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर तैनात अधिकारियों से बात करके बाढ़ संघर्षात्मक कार्यों की विस्तार से जानकारी ली एवं निर्देश देते हुए कहा कि तटबंधों पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दो-तीन दिनों में गंगा के जल-स्तर में काफी वृद्धि हुई है। पटना के गांधी घाट में गंगा का जल स्तर 2016 के अधिकतम रिकार्ड को पार कर गया है। गंगा के उच्चतर जलस्तर का पूर्व रिकॉर्ड टूट गया है।

विजय चौधरी ने बताया कि सूचना के मुताबिक अभी भी गंगा नदी की प्रवृति बढ़ने की ही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि अभी गंगा के जलस्तर में जो वृद्धि हुई है, वह मुख्य रूप से सोन एवं घाघरा नदी में अप्रत्याशित जल प्रवाह के कारण हुआ है। अब सोन नदी का जलस्तर घट रहा है। घाघरा भी स्थिर है। उम्मीद है कि आगामी चौबीस घंटे में स्थिति सामान्य की ओर बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग, जिला प्रशासन एवं अभियंताओं की टीम सभी आक्रामय स्थलों पर सतर्क एवं मुस्तैद है। हमारा प्रयास है कि पानी किसी भी रिहाइशी इलाक़े में नहीं पहुंचे। इसके लिए जो भी सम्भव उपाय हैं, वे किए जा रहे हैं।

पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में सुतली बम फोड़ा जियोग्राफी डिपार्टमेंट परिसर में धमाका

एजेंसी, पटना

पास में खड़े स्टूडेंट्स बाल-बाल बचे

पटना यूनिवर्सिटी के जियोग्राफी डिपार्टमेंट कैंपस में धमाका हुआ है। परिसर में सुतली बम फेंका गया है। घटना की जानकारी स्टूडेंट्स ने पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। बताया जा रहा कि जिस जगह पर धमाका हुआ, उसके पास स्टूडेंट्स थे, वे बाल-बाल बचे। अभी पुलिस ये पता लगा रही कि कैंपस में सुतली बम किसने फेंका और इसके पिछे क्या कारण है। घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र की है।

डबल डेकर पुल शरारती तत्वों ने सुतली बम फेंका: चीफ प्रोक्टर उदय शंकर ने बताया कि डबल डेकर पुल से शरारती तत्वों ने कैंपस में सुतली बम फेंका है। जांच के दौरान इसमें जो भी छात्र पकड़े जाएंगे, उनका नामांकन रद्द किया जाएगा। इस घटना के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। बर्दाश्त करने की क्षमता को इस घटना ने तोड़ा है।

किसी तरह की हताहत नहीं हुई: टाउन डीएसपी राजेश रंजन ने बताया कि जियोग्राफी डिपार्टमेंट के कैंपस में धमाके हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस मौके पर जांच-पड़ताल कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है। फिलहाल पुलिस शरारती तत्वों की पहचान करने में जुटी है। घटना के बाद कैंपस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस अधिकारियों ने जानकारी जुटाई है।

टीचर्स-डे पर शिक्षकों ने सरकार-पुलिस से मांगी भीख, हाथ में कटोरा फटे कपड़ों में प्रदर्शन, गले में कफन लपेटकर कांग्रेसियों की पदयात्रा

एजेंसी, पटना

बिहार में शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर कांग्रेस ने शिक्षक दिवस के दिन आज 'कफन पदयात्रा' निकाली। ये यात्रा गांधी मैदान से शुरू होकर विधानसभा तक जानी थी। इससे पहले पुलिस ने सभी नेताओं को जेपी गोलंबर पर बैरिकेडिंग कर के रोक दिया। कांग्रेसियों के साथ अतिथि शिक्षक भी इस पदयात्रा में शामिल हुए। टीचर्स फटे कपड़ों में जेपी गोलंबर पहुंचे। उनके हाथ में कटोरा था, वे सरकार और पुलिस से कटोरा फैलाकर भीख मांगते दिखाई दिए।

प्रदर्शन को देखते हुए वाटर कैनन भी बुला ली गई थी। जेपी गोलंबर को कांग्रेस नेता पुलिस से भिड़ गए। बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें डिटेन करना शुरू किया। प्रदर्शनकारियों को पुलिस टांगकर अपने साथ ले गई। कांग्रेस नेता गले में सफेद कपड़ा बांधे हुए थे, प्रदर्शनकारी इसे कफन बता रहे थे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अगर 5 सितंबर को मांगे पूरी नहीं होती है, तो फिर 6 सितंबर से कांग्रेस शिक्षा सत्याग्रह अभियान शुरू करेगी। ये आंदोलन गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन चलता रहेगा, जब तक सरकार मांगे पूरी नहीं करेगी। इसके साथ ही कांग्रेस राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान ही चलाएगी।

राजेश राम बोले- भविष्य बनाने वाले शिक्षक की फ्यूचर की गारंटी नहीं: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, 'कफन यात्रा का उद्देश्य समाज और सरकार को यह बताना है कि शिक्षक ने पूरी जिंदगी विद्यार्थियों का भविष्य बनाया, लेकिन आज उसके अपने भविष्य की कोई गारंटी नहीं है। यह स्थिति बदलनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'बिहार में वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था का इतिहास चार दशक से भी अधिक पुराना है। वर्ष 1982 से चली आ रही इस व्यवस्था में बड़ी संख्या में विद्यालय एवं महाविद्यालय अस्तित्व में आए, लेकिन इन शिक्षकों और कर्मचारियों की अपनी सेवा व्यवस्था आज भी स्थायी नहीं हो सकी है।'

प्रोग्रामर अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने सूचना प्रावैधिकी मंत्री से की मुलाकात

एजेंसी, पटना

बिहार स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (बेल्ट्रॉन) के माध्यम से चयनित 522 प्रोग्रामर अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को सूचना प्रावैधिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा से उनके आवास पर औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान अभ्यर्थियों ने ज्वाइनिंग प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। बैठक में बेल्ट्रॉन के प्रबंध निदेशक कौशल किशोर भी उपस्थित रहे। मंत्री नीतीश मिश्रा ने अभ्यर्थियों की बातों को सहजतापूर्वक सुना और उनके साथ खुले हृदय से संवाद किया। उन्होंने कहा कि चयनित अभ्यर्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान किया जाएगा।

इस संबंध में उन्होंने बेल्ट्रॉन के प्रबंध निदेशक कौशल किशोर को आवश्यक कार्रवाई करते हुए अभ्यर्थियों की समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान यह स्पष्ट किया गया कि जिन चयनित अभ्यर्थियों का केवाईसी लंबित है, उनके केवाईसी की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाएगा। वहीं, जिन अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापनअभी नहीं हो पाया है, उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि विभाग चयनित अभ्यर्थियों के हितों के प्रति संवेदनशील है और प्रक्रियागत समस्याओं को दूर करते हुए शीघ्र ज्वाइनिंग की प्रक्रिया पूरी करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पात्र अभ्यर्थियों से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार सरकार युवाओं को रोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट विज़न है कि बिहार के युवाओं की प्रतिभा और क्षमता को सही अवसर मिले तथा उन्हें अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार प्राप्त हो। सूचना प्रावैधिकी के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार की नई संभावनाओं का सृजन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

सरल नियम, त्वरित स्वीकृति और लचीले प्रावधानों के साथ बिहार के शहरों के विकास को मिलेगी नई गति

एजेंसी, पटना

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सिंचाई भवन स्थित सभागार में शनिवार को नगर विकास एवं आवास विभाग से संबंधित बिहार भवन उपविधि-2026 के प्रारूप पर गठित उच्चस्तरीय मंत्रियों के समूह की बैठक हुई । बैठक में प्रस्तावित भवन उपविधि के विभिन्न प्रावधानों, नियामक प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने तथा राज्य में भवन निर्माण एवं शहरी विकास को अधिक सुगम और गति देने से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मंत्री, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सह ग्रामीण विकास विभाग, श्रवण कुमार, मंत्री, सहकारिता विभाग, रामकृपाल यादव, मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग, नीतीश मिश्रा तथा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने सभी हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "इस महत्वपूर्ण विषय पर सुझाव देने और सकारात्मक सहयोग प्रदान करने के लिए सभी हितधारकों का धन्यवाद करता हूँ। विशेष रूप से समूह के सदस्य माननीय मंत्रियों, नगर विकास एवं आवास विभाग, जो इस विषय का नोडल विभाग है तथा विभाग के प्रधान सचिव एवं उनके सभी सहयोगियों द्वारा लिए जा रहे विशेष रुचि और सक्रिय सहभागिता के लिए समूह की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ।

उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों द्वारा दिए गए सकारात्मक सुझाव बिहार भवन उपविधि-2026 को और अधिक प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण होंगे।" मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि "बिहार भवन उपविधि-2026 का यह प्रारूप पारदर्शिता, त्वरित प्रक्रियाओं और सतत विकास के सिद्धांतों पर आधारित है। यह बिहार के शहरी परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव लाने तथा सुव्यवस्थित, सुगम और विकासोन्मुख शहरीकरण को गति देने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है।

मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के विकसित बिहार के विज़न के अनुरूप बिहार भवन उपविधि-2026 का प्रारूप राज्य के शहरों के सुनियोजित, आधुनिक और तेज विकास को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरल एवं पारदर्शी नियमों के माध्यम से भवन निर्माण और निवेश को गति मिलेगी, जिससे शहरों में बेहतर आधारभूत संरचना, आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों का विस्तार होगा ।

बैठक के दौरान नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने उच्चस्तरीय समूह के सदस्यों तथा बैठक में उपस्थित संबंधित हितधारकों के समक्ष बिहार भवन उपविधि-2026 के प्रारूप का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने प्रस्तावित उपविधि के प्रमुख प्रावधानों, नियामक प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा भवन निर्माण एवं शहरी विकास को अधिक सुगम और प्रभावी बनाने के लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी दी।

इस अवसर पर विभाग के सचिव सह बुडको प्रबंध निदेशक अनिमेष पराशर, पटना नगर निगम के आयुक्त यशपाल मीणा तथा विभाग के वरीय पदाधिकारी और क्रेडाई, बिहार, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, बिल्डर्स एसोसिएशन, बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि एवं फ्लैट ऑनर्स भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मधुबनी पेंटिंग कार्यशाला में छात्राओं ने सीखी चित्रकला की बारीकियां

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में मधुबनी पेंटिंग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला तीन और पांच सितंबर को हुई। मुख्य प्रशिक्षक डॉ. अणिमा अनुरागिनी रहीं, जबकि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नलिन विलोचन ने की।कार्यशाला के पहले दिन डॉ. अणिमा ने छात्राओं को मधुबनी चित्रकला की विस्तृत जानकारी दी और इसकी आधारभूत बनावट एवं चित्रांकन की तकनीक सिखाई। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। उन्होंने बताया कि मधुबनी चित्रकला को मिथिला पेंटिंग भी कहा जाता है। यह प्रसिद्ध लोक कला अब वैश्विक पहचान बना चुकी है। इसमें सामाजिक जीवन, त्योहार, प्रकृति, जीव-जंतुओं और धार्मिक विषयों को चित्रों के माध्यम से दर्शाया जाता है। सूरज, चंद्रमा, केला, मछली, कछुआ और पक्षी आदि इसके प्रमुख चित्रांकन में शामिल हैं, जिन्हें खुशहाली एवं उर्वरता का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने मधुबनी पेंटिंग की विभिन्न शैलियों की भी जानकारी दी। वहीं दूसरे दिन भी कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्रोफेसर, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. नलिन विलोचन ने कहा कि मिथिला पेंटिंग को वैश्विक स्तर पर पहचान मुख्य रूप से 1960 के दशक में मिली। इसे वर्ष 2007 में जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग प्राप्त हुआ। इसकी परंपरा को पांचवीं-छठी शताब्दी ईसा पूर्व से जोड़ा जाता है। डॉ. अणिमा ने कहा कि शिक्षा हमें शिक्षित करती है, जबकि कला हमें सुसंस्कृत बनाती है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अर्पणा ने मंच संचालन किया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस की स्वयंसेविकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षक दिवस पर चिल्ड्रेन्स केयर सेंटर में शिक्षकों का हुआ सम्मान

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर के गायत्री मंदिर रोड, श्रीकृष्ण नगर स्थित चिल्ड्रेन्स केयर सेंटर में शनिवार को शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह में विद्यालय के डायरेक्टर ललन कुमार पाण्डेय ने शिक्षा को समाज निर्माण की आधारशिला बताते हुए शिक्षकों के समर्पण, निष्ठा एवं योगदान की सराहना की। वहीं प्राचार्य शशि रंजन श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को अनुशासन, संस्कार और निरंतर परिश्रम के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र एवं भविष्य को दिशा देने वाले सच्चे मार्गदर्शक होते हैं। उनके कुशल नेतृत्व एवं शैक्षणिक मार्गदर्शन में विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, संस्कार निर्माण एवं प्रतिभा निखारने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के कोषाध्यक्ष अनिल प्रसाद की भूमिका की भी सराहना की गई। विद्यालय की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने में उनका सहयोग उल्लेखनीय रहा है। संस्था के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विकास के प्रति उनकी सजगता, सहयोग भावना और सकारात्मक सोच विद्यालय की प्रगति को नई ऊर्जा प्रदान करती है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के हित में उनका निरंतर सहयोग संस्था के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समारोह के दौरान विद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता एवं सम्मान व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकगण सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर बीआरसी परिसर में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बीएनएम@ अरेराज। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी), अरेराज परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शिक्षकों एवं शिक्षाकर्मियों ने छायादार व फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और परिसर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ, प्रखंड इकाई अरेराज के अध्यक्ष मिंटू कुमार मिश्रा ने कहा कि शिक्षक दिवस पर पौधारोपण समाज को पर्यावरण संरक्षण का सकारात्मक संदेश देता है। शिक्षक बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वृक्षारोपण कार्यक्रम हरसिद्धि प्रखंड के शिक्षक अमींद्र सिंह एवं संजय कुमार के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ। उपस्थित शिक्षकों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा की सामूहिक जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। मौके पर शिक्षक सतीश भारद्वाज, राजीव रंजन कुमार, बीआरसी ऑपरेटर राजकुमार दास एवं आदर्श कुमार समेत कई शिक्षक व कर्मी मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर बच्चों ने लगाए पौधे, प्रकृति संरक्षण का लिया संकल्प

डॉ. राधाकृष्णन की जयंती पर श्रद्धांजलि, विद्यालय परिसर में चला पर्यावरण की पाठशाला अभियान

बीएनएम@ मोतिहारी/कोटवा

शिक्षक दिवस के अवसर पर जगिरहां पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बैरिया में वन विभाग के सहयोग से 'पर्यावरण की पाठशाला सह पौधारोपण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान उनके प्रकृति, मानव जीवन और नैतिक मूल्यों से जुड़े विचारों को याद किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन प्राकृतिक संसाधनों को पूरी मानवता की साझा संपत्ति मानते थे। उनका विचार था कि मनुष्य को प्रकृति के संसाधनों पर अनावश्यक अधिकार या असीमित उपभोग का अधिकार नहीं है। आवश्यकता से अधिक प्राकृतिक या सार्वजनिक संपदा का उपयोग अनुचित है। प्रधानाध्यापक अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि शिक्षक सिर्फ किताबों का ज्ञान देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे समाज और आने वाली पीढ़ी को दिशा देने का भी दायित्व निभाते हैं। विद्यालय से ही बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की आदत विकसित करनी होगी। शिक्षकों ने कहा कि स्वच्छ हवा, पानी, मिट्टी और हरियाली जीवन का आधार हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण का प्रहरी बनने का संकल्प लेना चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि विकास तभी सार्थक है, जब तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक मूल्यों और प्रकृति के बीच संतुलन कायम रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप पौधे भेंट किए और विद्यालय परिसर में पौधारोपण कराया। कार्यक्रम में अभिषेक कुमार, नवल किशोर प्रसाद यादव, मो. शरीफ, रेणु प्रियदर्शी, महंथ कुमार यादव, आशा कुमारी, विजय कुमार रजक समेत इको क्लब के सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कृषि व ग्रामीण विकास को गति देने में बैंक निभाएं सक्रिय भूमिका : नाबार्ड

बीएनएम@ मोतिहारी

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में संस्थागत ऋण की पहुंच बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से नाबार्ड, पूर्वी चंपारण की ओर से शनिवार को मोतिहारी में बैंकर्स संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कृषि, ग्रामीण उद्यमिता, महिला सशक्तीकरण और वित्तीय समावेशन के लिए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ऋण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आनंद अतिरेक ने कहा कि पूर्वी चंपारण में कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, स्वयं सहायता समूह, एफपीओ और ग्रामीण उद्यमिता के क्षेत्र में रोजगार व आय सृजन की व्यापक संभावनाएं हैं। बैंकों की भूमिका फसल ऋण तक सीमित न रहकर कृषि निवेश, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अवसंरचना और मूल्य संवर्धन तक विस्तारित होनी चाहिए। कार्यक्रम में केसीसी का दायरा बढ़ाने, पशुपालन एवं मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को ऋण उपलब्ध कराने तथा कृषि अवसंरचना निधि के तहत गोदाम, शीतगृह, कस्टम हायरिंग सेंटर और प्रसंस्करण इकाइयों को वित्तीय सहायता देने पर चर्चा हुई। स्वयं सहायता समूहों और महिला आजीविका गतिविधियों को उद्यमिता से जोड़ने तथा एफपीओ को कार्यशील पूंजी सहित वित्तीय सहयोग देने पर भी बल दिया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक के.एम. सिंह ने संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक बिपिन कुमार ने कौशल विकास और स्वरोजगार में बैंकों की भूमिका रेखांकित की। कार्यक्रम में विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों ने भाग लिया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 की थीम 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा' पर भी चर्चा हुई।

अजय पटेल हत्याकांड: फरार मुख्य आरोपी पर 10 हजार का इनाम, पुलिस ने जारी किया फोटो

बीएनएम@ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मठलोहियार छतवनीया टोला निवासी अजय पटेल हत्याकांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपी मोहम्मद असलम आलम पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने उसकी गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले को 10 हजार रुपये इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस ने फरार आरोपी का फोटो भी जारी किया है और उसके संबंध में जानकारी देने की अपील की है। जानकारी के अनुसार, बीते 8 मई को अजय पटेल की मारपीट कर हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को झोपड़ी के खंभे से लटका दिया था। वारदात की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले में मृतक की मां प्रेमी देवी ने हरसिद्धि थाने में आवेदन देकर मोहम्मद असलम आलम समेत आठ लोगों को नामजद किया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी शुरू की। पुलिस की कार्रवाई में कुछ आरोपियों तक पहुंच बनाई गई, लेकिन हत्याकांड का मुख्य आरोपी मोहम्मद असलम आलम अब तक गिरफ्त से बाहर है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने अब इनाम की घोषणा की है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। उसकी तलाश में तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मोहम्मद असलम आलम के बारे में किसी भी तरह की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आरोपी की गिरफ्तारी में मददगार साबित होने वाली सूचना देने वाले व्यक्ति को 10 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

सरकारी काम में लापरवाही पड़ी भारी, 26 अंचलाधिकारियों समेत सभी राजस्व पदाधिकारियों का वेतन स्थगित

» सीडब्ल्यूजेसी-एमजेसी के प्रतिवेदन लंबित, राजस्व महाअभियान में भी नहीं दिखाई दी दिलचस्पी; 24 घंटे में मांगा गया स्पष्टीकरण

बीएनएम@ मोतिहारी

सरकारी निर्देशों की लगातार अनदेखी और काम के प्रति कथित उदासीनता को लेकर पूर्वी चंपारण प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। बंजरिया अंचल को छोड़कर जिले के शेष 26 अंचलों के अंचलाधिकारियों और सभी राजस्व पदाधिकारियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। अपर समाहर्त्ता, पूर्वी चंपारण की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीडब्ल्यूजेसी और एमजेसी मामलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद बंजरिया को छोड़कर किसी भी अंचल के अंचलाधिकारी का अपेक्षित प्रतिवेदन अब तक प्राप्त नहीं हुआ है। इसी दौरान राजस्व महाअभियान की भी समीक्षा की गई। इसमें भी अंचलाधिकारियों और राजस्व पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी सामने आई। प्रशासन के अनुसार, राजस्व महाअभियान के कार्यों में अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही थी। इसे कार्य के प्रति उदासीनता, स्वेच्छाचारिता और सरकारी आदेश की अवहेलना के रूप में देखा गया।

24 घंटे में देना होगा जवाब- जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण के निर्देश पर बंजरिया को छोड़कर शेष 26 अंचलों के अंचलाधिकारियों और सभी राजस्व पदाधिकारियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित किया गया है।

संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सीडब्ल्यूजेसी, एमजेसी और राजस्व महाअभियान से संबंधित प्रतिवेदन विभागीय पोर्टल पर अपलोड करें तथा अपना स्पष्टीकरण अपर समाहर्त्ता के माध्यम से पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर प्रस्तुत करें। स्पष्टीकरण में यह बताना होगा कि सरकारी कार्य में अपेक्षित रुचि नहीं लेने के कारण उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के लिए विभाग को क्यों नहीं प्रतिवेदित किया जाए। प्रशासन की इस कार्रवाई से राजस्व विभाग के अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति है।

बिना बिल के 17 बैग यूरिया के साथ तीन गिरफ्तार, 66 बैग यूरिया लदा पिकअप भी जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के बनकटवा प्रखंड अंतर्गत जितना थाना पुलिस बल द्वारा संध्या गश्ती के दौरान करीब 7:30 बजे मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति को सैनिक रोड के समीप चार बैग यूरिया के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान विकेश कुमार, पिता-जग्रनाथ राय, उम्र 21 वर्ष, साकिन-अगरवा, प्रखंड-बनकटवा के रूप में हुई। वहीं, 2 सितंबर 2026 को जितना थाना पुलिस बल द्वारा सुबह करीब 8 बजे क्षेत्र भ्रमण के दौरान जगिराहां रोड छठवा घाट के रास्ते घोड़ासहन की ओर से आ रही दो मोटरसाइकिलों पर 13 बैग यूरिया उर्वरक ले जाते हुए लोगों को देखा गया। पुलिस बल को देखते ही दो व्यक्ति उर्वरक फेंककर भागने में सफल रहे, जबकि दो व्यक्ति चार-चार बैग यूरिया एवं मोटरसाइकिल के साथ पकड़े गए। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान गुप्ता कुमार, पिता-नागेंद्र प्रसाद यादव, उम्र 19 वर्ष, साकिन-अगरवा, प्रखंड-बनकटवा तथा आकाश कुमार यादव, पिता-हिरालाल प्रसाद, उम्र 20 वर्ष, साकिन-अगरवा, प्रखंड-बनकटवा के रूप में हुई। पकड़े गए तीनों व्यक्तियों में से किसी ने भी उर्वरक का बिल प्रस्तुत नहीं किया। इससे प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि उक्त उर्वरक कालाबाजारी की नीयत से ले जाया जा रहा था। उक्त तीनों व्यक्तियों के विरुद्ध उर्वरक निरीक्षक-सह-कृषि समन्वयक द्वारा जितना थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस स्तर से अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। इधर, 1 सितंबर 2026 को करीब 6 बजे अपराह्न थानाध्यक्ष गोविंदगंज द्वारा प्रखंड कृषि पदाधिकारी को सूचना दी गई कि एक पिकअप वाहन में लदे 66 बैग यूरिया को पकड़कर थाना में लगाया गया है। सूचना के आलोक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं संबंधित उर्वरक निरीक्षक-सह-कृषि समन्वयक द्वारा लदे खाद की जांच की गई। जांच के क्रम में पाया गया कि उक्त यूरिया इंडोरामा कंपनी का है। वाहन चालक दीपक कुमार, पिता-जय किशोर चौधरी, ग्राम-सलहां, थाना-गोविंदगंज, पूर्वी चंपारण द्वारा कोई वैध बिल प्रस्तुत नहीं किया गया। वाहन चालक ने बताया कि उक्त खाद मेसर्स दुर्गा कृषि केंद्र, प्रोपराइटर लाल बाबू प्रसाद, पिता-महंथ प्रसाद, ग्राम-सलहां, प्रखंड-अरेराज का है। कृषि समन्वयक-सह-उर्वरक निरीक्षक द्वारा वाहन चालक दीपक कुमार, पिता-जय किशोर चौधरी, ग्राम-सलहां, प्रखंड-अरेराज एवं मेसर्स दुर्गा कृषि केंद्र के प्रोपराइटर लालबाबू प्रसाद के विरुद्ध गोविंदगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जब्त उर्वरक को मेसर्स भगवान इंटरप्राइजेज, प्रखंड-अरेराज को जिम्मेनामा पर उपलब्ध कराया गया है।

बिजली विभाग की लापरवाही से युवक की मौतः शौच के दौरान लगा करंट; गुस्साए ग्रामीणों ने गंगापीपर चौक किया जाम

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के ढाका-मोतिहारी मुख्य मार्ग स्थित गंगापीपर चौक के समीप बिजली की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्य सड़क को जाम कर दिया और जमकर विरोध-प्रदर्शन किया।

शौच के दौरान हुआ हादसा- मिली जानकारी के अनुसार, युवक सुबह घर के समीप शौच के लिए गया था। इसी दौरान बिजली के तार की चपेट में आ जाने से उसे तीव्र करंट लग गया। आनन-फानन में स्थानीय लोग उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी करने लगे, लेकिन तब तक युवक की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

सड़क पर उतरे ग्रामीण, आवागमन ठप- युवक की मौत की खबर फैलते ही इलाके में शोक व आक्रोश की लहर दौड़ गई। बिजली विभाग की लापरवाही से नाराज परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर ढाका-मोतिहारी मुख्य मार्ग के गंगापीपर चौक को पूरी तरह से जाम कर दिया। सड़क जाम होने के कारण दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।ग्रामीण पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और दोषी बिजली कर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाने और स्थिति को नियंत्रण में करने के प्रयास में जुट गए हैं।

दुख की घड़ी में परिवार का सहारा बना टास. जय माता दी कृषक क्लब

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिले के हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत शिव हनुमान मंदिर, पोखरा चौक, हरपुर राय स्थित टास. जय माता दी कृषक क्लब के कार्यालय परिसर में शनिवार को अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में क्लब के सदस्यों की आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्लब के दिवंगत सदस्य जलेश्वर प्रसाद के परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि क्लब के माध्यम से कराए गए बीमा की 50,000 की राशि का चेक दिवंगत सदस्य की पत्नी एवं नॉमिनी गौरी देवी को सौंपा जाए। प्रस्ताव पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से अपनी सहमति जताई। सदस्यों की सहमति के बाद अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष द्वारा बीमा राशि का चेक निर्गत किया गया। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत जलेश्वर प्रसाद की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं अन्य सदस्य दिवंगत जलेश्वर प्रसाद के घर पहुंचे। मृतक के पुत्र एवं पड़ोसियों की मौजूदगी में नॉमिनी गौरी देवी को 50,000 का बीमा चेक सुपुर्द किया गया। इस मौके पर क्लब के सदस्यों ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि दुख की इस घड़ी में क्लब परिवार के साथ खड़ा है। बता दें कि टास. जय माता दी कृषक क्लब की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी। वर्तमान में क्लब में लगभग 47 सदस्य हैं। क्लब के सभी सदस्य प्रत्येक माह एक निर्धारित राशि जमा करते हैं। जमा राशि से सदस्यों को उनकी आवश्यकता के अनुसार बच्चों की शिक्षा, खेती-बाड़ी एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिए सहायता राशि उपलब्ध कराया जाता है जिसके बदले सहायता शुल्क प्राप्त होता है। प्राप्त सहायता शुल्क में सभी सदस्यों की हिस्सेदारी रहती है। क्लब के माध्यम से सभी सदस्यों का बीमा भी कराया जाता है। बीमा का उद्देश्य यही है कि किसी सदस्य के असामयिक निधन की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक संकट से उबरने में कुछ मदद मिल सके। दिवंगत जलेश्वर प्रसाद के परिवार को बीमा की 50 हजार की राशि का चेक सौंपना क्लब की इसी सोच और व्यवस्था का प्रत्यक्ष उदाहरण है। क्लब की इस पहल को स्थानीय लोगों द्वारा सामाजिक एकजुटता और मानवीय संवेदना की सराहनीय मिसाल बताया जा रहा है। मौके पर क्लब के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार, सचिव हरेन्द्र प्रसाद, कोषाध्यक्ष राजकुमार राम सहित सदस्य कृष्णा गिरी, रामाधार प्रसाद, राकेश कुमार, कृष्णा साह, रोजिद मियां, भुआली भगत, नगीना प्रसाद, कौशल कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

शिक्षक समाज के वास्तविक निर्माता, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : डीएम

बीएनएम@ मोतिहारी

शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने की। समारोह का शुभारंभ जिलाधिकारी, जिला सहायक समाहर्ता एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर तथा भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस मौके पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने जिले के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक निर्माता हैं।शिक्षकों का सम्मान तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अपने संबोधन के दौरान जिलाधिकारी ने अपने शिक्षकों को भी याद किया और हिंदी एवं अंग्रेजी के शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के साथ पीबीएल में बेहतर प्रदर्शन करने तथा एफएलएन कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने वाले कुल 74 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। समारोह में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी समेत जिले के सैकड़ों सेवानिवृत्त एवं कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। समारोह के दौरान शिक्षकों में खासा उत्साह देखा गया।

संक्षिप्त समाचार

गांधीघाट पर गूंजा 'जय श्रीकृष्ण', छह दिवसीय जन्माष्टमी मेले का भव्य आगाज

बीएनएम@ तुरकौलियाः ऐतिहासिक गांधीघाट शुक्रवार की देर शाम 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित छह दिवसीय मेले का मुखिया संघ के अध्यक्ष सुनील टाइगर ने फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने कृष्णलीला का मंचन देखा और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की प्रस्तुति देखकर भावविभोर हो गए। कृष्ण जन्म का दृश्य मंच पर आते ही पूरा मेला परिसर तालियों और जयकारों से गूंजने लगा। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को बांधे रखा। दर्शक लगातार तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। इस अवसर पर सुनील टाइगर ने कहा कि गांधीघाट का जन्माष्टमी मेला क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा आयोजन है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने मेला समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और मनोरंजन के लिए की गई व्यवस्था की सराहना की।

शाम ढलते ही उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब- कृष्णलीला और भगवान के दर्शन के लिए शाम होते ही गांधीघाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। देखते ही देखते मेला परिसर लोगों से पट गया। भीड़ को नियंत्रित और व्यवस्थित करने में मेला समिति के सदस्यों व स्वयंसेवकों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

श्रद्धालु तुरकौलिया मन (नदी) में स्थापित विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के दर्शन और पूजा-अर्चना करते भी नजर आए। धार्मिक आस्था के साथ मेले में मनोरंजन और कृष्णलीला का आनंद लेने के लिए देर रात तक लोगों की भीड़ जुटी रही। छह दिनों तक चलने वाले इस मेले को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह है।

नरीरगिर ओवरब्रिज पर आमने-सामने भिड़े बाइक और ई-रिक्शा, एक गंभीर

बीएनएम@ रामगढ़वा। नरीरगिर ओवरब्रिज के समीप शनिवार को तेज रफ्तार बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घायल काफी देर तक बेहोश रहा। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। हादसे की सूचना मिलते ही 112 की पुलिस टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल रामगढ़वा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इधर, हादसे के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति बनी रही। पुलिस ने दुर्घटना की जानकारी जुटाने के साथ घायल की पहचान कराने का प्रयास शुरू कर दिया है। साथ ही हादसा किस परिस्थिति में हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है।

गया ओटीए से देश को मिले 253 सैन्य अधिकारी

बीएनएम@ गयाजी। ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी यानी ओटीए में 29वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। भव्य परेड और पिपिंग सेरेमनी के बाद OTA से देश को 253 सैन्य अधिकारी मिले, जिनमें 35 महिला अधिकारी भी शामिल हैं। वियतनाम पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल ले वान हुओंग ने परेड की सलामी ली। परेड के दौरान सेना के तीन हेलीकॉप्टरों ने कैडेट्स पर फूलों की बारिश की। पिपिंग सेरेमनी में कैडेट्स को देश सेवा की शपथ दिलाई गई और माता-पिता व मुख्य अतिथि ने उनके कंधों पर अधिकारी के बैज लगाए। एकेडमी अंडर ऑफिसर पीस शशि कुमार को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए स्वॉर्ड ऑफ ऑनर और स्वर्ण पदक दिया गया। दीपक सिंह रावत ने दूसरा और नवनीत सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर होगी कार्रवाई : डीएम

बीएनएम@ बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक हुई। इसमें जिले के अस्पतालों में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं मरीजों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, प्रभावी और मरीज-केंद्रित बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने चिकित्सकवार प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाले चिकित्सकों को शोकॉज करने तथा बेहतर कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने को कहा। डीएम ने अस्पतालों से अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाने तथा गंभीर एवं जटिल मरीजों को ही उच्चतर संस्थान रेफर करने का निर्देश दिया। आशा कार्यकर्ताओं के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने को कहा। कम उपलब्धि वाले मधुबनी, सिकटा, नरकटियागंज, रामनगर एवं योगापट्टी के एमओआईसी को सुधार की सख्त हिदायत दी गई। अस्पतालों के सभी उपकरण फंक्शनल रखने, चिकित्सकों-कर्मियों की नियमित मॉनिटरिंग तथा रात्रिकालीन जांच कराने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भारत-नेपाल सीमा पर संयुक्त गश्ती, सुरक्षा समन्वय हुआ मजबूत

बीएनएम@ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने संयुक्त गश्ती अभियान चलाया। यह अभियान 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन में तथा उप निरीक्षक गगन सिंह के नेतृत्व में बी-समवाय, जमुनिया के कार्यक्षेत्र में आयोजित किया गया। संयुक्त गश्ती से पहले भारत और नेपाल के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय बैठक हुई। इसमें सीमा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद दोनों देशों के जवानों ने अपने-अपने निर्धारित कार्यक्षेत्र में पगडंडियों, सड़कों और सीमा से जुड़े विभिन्न मार्गों पर संयुक्त रूप से गश्त की। गश्ती के दौरान सीमा पर अवैध आवागमन, तस्करी, असामाजिक एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम, सीमा रेखा पर संभावित अतिक्रमण तथा सीमा के निकट संचालित मदिरा की दुकानों और अन्य संवेदनशील गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही, सीमा पार होने वाले अपराधों की रोकथाम और प्रभावी सीमा प्रबंधन के लिए आपसी सहयोग एवं समन्वय को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। दल प्रभारी उप निरीक्षक गगन सिंह ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर इस प्रकार की संयुक्त गश्ती और समन्वय बैठक से दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं बेहतर तालमेल मजबूत होता है। नियमित रूप से आयोजित होने वाली ऐसी गतिविधियों से सीमा की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ-साथ अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में भी महत्वपूर्ण सहायता मिलती है।

हरसिद्धि जनता दरबार में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 11 पुराने मामलों की हुई सुनवाई

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को आयोजित जनता दरबार में फरियादियों की भीड़ उमड़ पड़ी। अरेराज एसडीएम सुजीत कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। मौके पर अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी समेत थाना के एसआई मौजूद रहे। जनता दरबार में सबसे अधिक मामले भूमि विवाद और अंचल कार्यालय से जुड़ी समस्याओं के सामने आए। फरियादियों ने अपनी शिकायतों से संबंधित आवेदन अधिकारियों को सौंपे। एसडीएम ने बताया कि जनता दरबार में पूर्व से लंबित 11 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें तीन मामलों का मौके पर निष्पादन कर दिया गया। वहीं, शनिवार को 21 नए आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदनों की संबंधित पदाधिकारियों से जांच कराकर नियमानुसार जल्द कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने फरियादियों से कहा कि आवेदन के साथ जमीन संबंधी कागजात समेत आवश्यक दस्तावेज जरूर प्रस्तुत करें। इससे मामले की जांच और निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होगा। जनता दरबार में एसडीएम और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी से फरियादियों में अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगी। भूमि विवाद से जुड़े मामलों को लेकर बड़ी संख्या में लोगों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं।

साइबर ठगी के 2.34 लाख रुपये पुलिस ने कराए वापस, समय पर शिकायत से बची पीड़ित की रकम

बीएनएम@ शिवहर

साइबर अपराधियों के हाथों गंवाए गए 2 लाख 34 हजार 480 रुपये शिवहर साइबर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को वापस करा दिए। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के कहतरवा मथुरापुर गांव निवासी सुजीत कुमार, पिता रामपुनीत साह के बैंक खाते से साइबर अपराधियों ने 2,34,480 रुपये की ठगी कर ली थी। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने साइबर पुलिस से शिकायत की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (साइबर), शिवहर के नेतृत्व में साइबर थाना की टीम ने मामले में तत्काल कार्रवाई शुरू की। तकनीकी संसाधनों और साइबर सुरक्षा तंत्र की मदद से पुलिस ने ठगी की रकम को ट्रेस कर होल्ड करा दिया। इसके बाद आवश्यक बैंकिंग और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पुलिस ने पूरी 2,34,480 रुपये की राशि पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंक खाता, एटीएम, यूपीआई, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से भी बचें। पुलिस ने कहा है कि साइबर ठगी होते ही देर न करें। तुरंत अपने बैंक को सूचना देने के साथ साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर सूचना मिलने पर ठगी की रकम को होल्ड कराकर वापस कराने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

भारत माला सड़क पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, जनवितरण दुकानदार की दर्दनाक मौत

बीएनएम@ पताही

भारत माला सड़क पर शनिवार की सुबह दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में जनवितरण प्रणाली के दुकानदार रामविनय गिरी की मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि रामविनय गिरी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक पताही थाना क्षेत्र के परसौनी कपूर गांव निवासी बताए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रामविनय गिरी शनिवार सुबह अपनी बाइक से निजी कार्य के सिलसिले में जा रहे थे। इसी दौरान भारत माला सड़क पर सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायल को तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही पकड़ीदयाल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। इधर, रामविनय गिरी की मौत की खबर जैसे ही परसौनी कपूर स्थित उनके घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। रामविनय गिरी के निधन से पताही प्रखंड क्षेत्र में भी शोक की लहर है। ग्रामीणों के साथ क्षेत्र के जनवितरण प्रणाली दुकानदारों ने भी घटना पर गहरा दुख जताया। लोगों ने कहा कि एक सड़क हादसे ने परिवार से उसका सहारा और समाज से एक महत्वपूर्ण व्यक्ति छीन लिया।

शिक्षक दिवस पर शांतिनिकेतन आदर्श विद्यालय में शिक्षकों का सम्मान, गुरु के योगदान को किया नमन

बीएनएम@ रक्सौल

शिक्षक दिवस के अवसर पर लक्ष्मीपुर स्थित शांतिनिकेतन आदर्श विद्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिव शक्ति प्रा. लिमिटेड कंपनी के निदेशक संजय कुमार गुप्ता रहे। समारोह का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य साइमन रेक्स ने किया। समारोह में शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान, शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों की नींव भी मजबूत करते हैं। समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य साइमन रेक्स, निदेशक अरविंद कुमार सिंह एवं अशोक कुमार सिंह ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। समारोह में शिक्षक विक्टर डेका, कुंदन राज, मंदीप कुमार, प्रीति, कंचन और रामभरोश समेत विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। सम्मान मिलने से शिक्षकों में खुशी का माहौल रहा। इधर, लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322ई, जोन 41 के जोन चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन एवं भारत विकास परिषद, रक्सौल के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल सर्राफ ने भी विद्यालय के प्राचार्य साइमन रेक्स के साथ सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में बिमल सर्राफ ने कहा कि माता-पिता प्रथम गुरु होते हैं, लेकिन उनके बाद जीवन में गुरु का सर्वोच्च स्थान है। शिक्षक ही बच्चों के जीवन को सही दिशा देकर उनके भविष्य को संवारने का काम करते हैं।

पताही में गूंजा गुरु सम्मान का संदेश, स्कूलों में दिनभर चले विविध कार्यक्रम

बीएनएम@ पताही

शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को पताही प्रखंड में जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित कर शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता जताई गई। सुबह से ही सोशल मीडिया पर शिक्षक दिवस की शुभकामनाओं का दौर चलता रहा। वहीं प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में भी छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के सम्मान में विविध कार्यक्रम आयोजित किए। इसी क्रम में जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय, जिहुली में शिक्षक दिवस पर विशेष समारोह हुआ। छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम को लेकर विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्साह का माहौल रहा। प्रधानाचार्य अमरेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य को आकार देने का काम करते हैं। एक अच्छे शिक्षक का मार्गदर्शन विद्यार्थी के जीवन की दिशा बदल सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों का सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलकर अपने लक्ष्य को हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और शिक्षक उस पूंजी को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक हैं। विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और ईमानदारी के साथ पढ़ाई कर अपने भविष्य को मजबूत बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने शिक्षक दिवस के महत्व पर अपने विचार रखे। विद्यार्थियों में समारोह को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। अंत में शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की कामना की।

डिवाइन करियर अचीवमेंट में गूंजा शिक्षक सम्मान का संदेश, बच्चों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बीएनएम@ रामगढ़वा

शिक्षक दिवस के अवसर पर रामगढ़वा स्थित डिवाइन करियर अचीवमेंट कोचिंग संस्थान में शनिवार को हर्षोल्लास के साथ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत के पहले उपराष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के तैलचित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि से हुई। संस्थान के निदेशक सौरव सर, डायरेक्टर ई. सुनील कुमार, रोहित कुमार, अवनीश चौबे व महालक्ष्मी समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने गीत, संगीत, भाषण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से खूब तालियां बटोरीं। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद शिक्षकों और अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव भी व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों को सही दिशा दिखाने और उनके भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. राधाकृष्णन का जीवन शिक्षा, अनुशासन और ज्ञान के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। इधर, शिक्षक दिवस के अवसर पर रामगढ़वा क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को आत्मसात करने तथा शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाकर समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का संकल्प लिया।

अभाव को नवाचार में बदलकर ग्रामीण बच्चों का भविष्य संवार रहे शिक्षक संतोष तिवारी

बीएनएम@ अरेराज (पूर्वी चंपारण)

22 वर्षों के समर्पण, गतिविधि आधारित शिक्षा और सामुदायिक सहयोग से अरेराज में पेश की मिसाल

संसाधनों की कमी को अक्सर शिक्षा की राह में बड़ी बाधा माना जाता है, लेकिन राजकीय मध्य विद्यालय झाखरा के सहायक शिक्षक संतोष कुमार तिवारी ने अभाव को ही नवाचार का माध्यम बना दिया। पिछले 22 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय तिवारी ने सीमित संसाधनों के बीच गतिविधि आधारित शिक्षण के जरिए ग्रामीण बच्चों में सीखने की ललक, आत्मविश्वास और प्रतिभा को नई दिशा दी है। एमए, बीएड और डीएलएड की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले संतोष तिवारी के लिए शिक्षक की भूमिका सिर्फ पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं रही। विद्यालय के उत्क्रमित होकर माध्यमिक विद्यालय बनने के बाद लगातार पांच वर्षों तक माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की पदस्थापना नहीं होने के बावजूद उन्होंने बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी। स्थानीय सामग्री, कम लागत वाले शिक्षण साधनों और विभिन्न गतिविधियों को पढ़ाई का हिस्सा बनाकर उन्होंने बच्चों को सीखने का नया माहौल दिया।

बच्चों के स्तर को परखकर उसी के अनुरूप पढ़ाई- एफएलएन के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में भी संतोष तिवारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के साथ एफएलएन और टीएआरएल के प्रभावी क्रियान्वयन में योगदान दिया। बच्चों के सीखने के स्तर का आकलन कर उन्हें स्तरानुसार समूहों में बांटना और खेल-खेल में रोचक गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है।

इसका असर विद्यालय के विद्यार्थियों के प्रदर्शन में भी देखने को मिला। विद्यालय के छात्रों ने अनुमंडल स्तर पर शैक्षणिक उत्कृष्टता में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके साथ ही सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिताओं में भी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

स्कूल से गांव तक शिक्षा की अलख- संतोष तिवारी ने शिक्षा को विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित रखने के बजाय अभिभावकों और ग्रामीणों को भी इससे जोड़ा। नियमित शिक्षक-अभिभावक गोष्ठियों के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति, पढ़ाई और शैक्षणिक प्रगति को लेकर अभिभावकों को जागरूक किया। आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद बच्चों के नामांकन के साथ आवश्यक प्रपत्र भरने में भी उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर सहयोग किया।

विभिन्न सामाजिक संगठनों से सम्मानित हो चुके संतोष तिवारी का मानना है कि संसाधनों की कमी किसी बच्चे की प्रतिभा को सीमित नहीं कर सकती। सही मार्गदर्शन, नवाचार और शिक्षक की प्रतिबद्धता से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं।

शिक्षक दिवस पर संतोष तिवारी की 22 वर्षों की यह यात्रा बताती है कि बदलाव के लिए हमेशा बड़े संसाधनों की जरूरत नहीं होती। एक समर्पित शिक्षक की सोच और पहल भी ग्रामीण शिक्षा की तस्वीर बदल सकती है।

कंट्रोल टूट जाने का अहसास

भाजपा का नैरेटिव कंट्रोल प्रचार तंत्र की कमजोरी के कारण नहीं टूटा। यह कमजोर पड़ा है, क्योंकि प्रचार और जमीनी हकीकतों की दिशा विपरीत हो गई है। अवसरहीन पीढ़ी के बीच जुमलों को बेचना आसान नहीं है। यह अच्छी बात है कि भाजपा नेतृत्व को सियासी नैरेटिव पर अपना कंट्रोल टूट जाने का अहसास हुआ है। लेकिन जो वजह उसने समझी और जो समाधान ढूंढा, उससे नहीं लगता कि वह सतही आकलन से आगे बढ़ पाया है। पार्टी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय को संभवतः इस समझ के कारण हटाया गया कि नई पीढ़ी के मानस को नियंत्रित करने लायक प्रचार सामग्री वे तैयार नहीं करवा पाए। इसका परिणाम जेन-ज़ी के विद्रोही तेवर के रूप में सामने आया है। दरअसल, ‘कॉकरोच’ परिघटना के उदय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी रूप में समझा। इसीलिए समाधान के बतौर वे इंस्टाग्राम पर आए और मंत्रियों को भी ऐसा करने की सलाह दी! भाजपा नेतृत्व के लिए सचमुच यह बड़ी चुनौती है कि जेन-ज़ी का बड़ा हिस्सा हिंदू-मुस्लिम द्वेष को पृष्ठभूमि में रखते हुए ऊंचे जुमलों के जरिए गढ़ी गई कहानियों के प्रभाव से बाहर निकलने लगा है। उसे इससे भी ज्यादा चिंता जरूरी सुविधाओं के अभाव को लेकर जगह-जगह स्कूली बच्चों के विरोध प्रदर्शनों से हो रही होगी। तो अब दीपक म्हास्के को आईटी सेल संभाल कर प्रचार को ऐसा मोड़ देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे जेन-ज़ी और जेन-अल्फा का मन जीत लिया जाए! लेकिन यह ऐसी चुनौती है, जो प्रचार तंत्र की क्षमता और संभावनाओं के दायरे से बाहर है। भाजपा का नैरेटिव कंट्रोल प्रचार तंत्र की कमजोरी के कारण नहीं टूटा। यह इसलिए कमजोर पड़ा है, क्योंकि प्रचार और जमीनी हकीकतों की दिशाएं विपरीत हो गई हैं। तब मौजूद अवसरों से अपनी जिंदगी संवार चुकी पीढ़ी को सामाजिक दुराव और सियासी जुमलों से भरमाना जितना आसान था, अवसरहीनता से ग्रस्त पीढ़ी के बीच वैसी कहानियां बेचना उतना ही कठिन है। खासकर उस हाल में जब ये पीढ़ी सोशल मीडिया के जरिए धंसते इन्फ्रास्ट्रक्चर और ढहती अन्य व्यवस्थाओं से अवगत भी है। इसलिए बेहतर होता, मालवीय की जगह म्हास्के को लाने के साथ-साथ भाजपा सरकारी नीतियों में बदलाव, नीतिगत अमल का तंत्र दुरुस्त करने और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण की दिशा में भी ठोस पहल करती। कंटेंट के बिना गढ़ा गया प्रचार कभी सफल नहीं होता।

अपराध होने के बाद इंसान के भीतर क्या बचता है

पंकज दुबे

कुछ कहानियां हमें डराती नहीं हैं। वे हमें बेचैन करती हैं। डर कुछ देर का होता है। बेचैनी देर तक साथ चलती है। वह कहानी खत्म होने के बाद भी हमारे भीतर अपना घर बनाए रखती है और बार-बार एक ही सवाल पूछती है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों?

सिने-सोहबत: प्राइम वीडियो की नई अपराध श्रृंखला ‘राख’ मेरे लिए इसी दूसरी श्रेणी की कहानी है। पहली नजर में यह एक अपराध की जांच-पड़ताल है। सन् 1978 की दिल्ली में दो किशोर भाई-बहन, सुमन और साहिल अरोड़ा, अचानक गायब हो जाते हैं। सुमन महज 16 साल की है और आकाशवाणी पर गाने का सपना देख रही है। एक परिवार के लिए शुरू हुई यह तलाश धीरे-धीरे एक ऐसे अपराध का रूप लेती है जिसकी परछाई पुलिस, समाज और पूरे शहर तक फैल जाती है। इस मामले की जांच सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश जाटव के जिम्मे आती है, जिसे अली फज़ल ने निभाया है।लेकिन ‘राख’ की असली दिलचस्पी यह जानने में नहीं है कि अपराध किसने किया। दिलचस्पी इस बात में है कि अपराध होने के बाद इंसान के भीतर क्या बचता है। और शायद इसी वजह से इसका नाम ‘राख’ है। एक ऐसा समय जब अपराधी के पास तकनीक नहीं थी। सन् 1978। आज के दर्शक के लिए यह सिफ़र् एक बीता हुआ साल है, लेकिन ‘राख’ के लिए यह कहानी का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। न मोबाइल फ़ोन। न सोशल मीडिया। न हर चौराहे पर निगरानी कैमरे। न चौबीस घंटे चलते समाचार चैनल। न अपराधी के पीछे भागती हुई तकनीक। उस समय पुलिस के पास अपराध सुलझाने के लिए आदमी थे, कागज थे, मुखबिर थे, पूछताछ थी और सबसे बढ़कर था, धैर्य। आज किसी की तस्वीर कुछ ही सेकंड में हजारों लोगों तक पहुंच सकती है। उस समय किसी गुमशुदा व्यक्ति की तलाश का मतलब था शहर की गलियों में घूमना, लोगों से पूछना, छोटे-छोटे सुरागों को जोड़ना और कई बार अंधेरे में हाथ-पैर मारना। इसलिए ‘राख’ की जांच-पड़ताल का धीमा होना मुझे उसकी कमी से ज्यादा उसकी ज़रुरत लगता है। यह कहानी उसी समय की गति से चलती है।और यह बात आज के तेज भागते हुए दर्शक के लिए चुनौती भी है। अली फज़ल का जयप्रकाश नायक नहीं, एक आदमी है। अली को हमने कई तरह के किरदारों में देखा है। लेकिन जयप्रकाश जाटव की भूमिका में वह अपने सितारे वाले व्यक्तित्व को लगभग पूरी तरह पीछे छोड़ देते हैं। यह पुलिसवाला किसी फिल्मी नायक की तरह अपराधियों को देखकर पहचान नहीं लेता। उसे सब कुछ मालूम नहीं है। वह गलतियां करता है। थकता है। गुस्सा होता है। उलझता है। और कई बार खुद भी समझ नहीं पाता कि वह किस दिशा में जा रहा है। लेकिन उसके भीतर एक चीज़ है और वो है ज़िद। यह ज़िद केवल नौकरी निभाने की नहीं है। धीरे-धीरे यह मामला उसके लिए निजी बेचैनी बन जाता है। अली फज़ल ने इस बेचैनी को बहुत ऊंची आवाज में नहीं निभाया है। उनके अभिनय में संयम है। कई बार उनका चेहरा ही संवाद बन जाता है। और यही इस किरदार की खूबसूरती है।जयप्रकाश कोई महान पुलिस अधिकारी बनने नहीं निकला है। वह बस सच तक पहुंचना चाहता है। और कभी-कभी किसी अपराध-कथा का सबसे मजबूत नायक वही होता है जो खुद को नायक समझता ही नहीं।

सोनाली बेंद्रे को पर्दे पर देखना अपने आप में सुखद है। लेकिन ‘राख’ में उनकी मौजूदगी को केवल लंबे अंतराल के बाद वापसी के रूप में देखना ठीक नहीं होगा। मोनिका अरोड़ा के किरदार में वह उस मां की पीड़ा लेकर आती हैं, जिसकी बेटी अचानक उससे छीन ली गई है। सिनेमा में मां का दुख अक्सर बहुत शोर करता है। चीखता है। रोता है। टूटता है। ‘राख’ का दुख थोड़ा अलग है। यह भीतर दबा हुआ दुख है। वह खाली निगाहों में दिखाई देता है। उन क्षणों में दिखाई देता है जब कोई मां कुछ कह नहीं रही होती, लेकिन उसके चेहरे पर एक पूरा संसार टूट चुका होता है। सोनाली बेंद्रे ने इस मौन को अच्छी तरह पकड़ा है। और शायद मां के दुख का सबसे सच्चा रूप वही है जब उसके पास रोने के लिए भी शब्द नहीं बचते।

राकेश बेदी को गंभीरता से देखना अच्छा लगता है। राकेश बेदी की छवि लंबे समय से हमारे भीतर एक खास तरह की बनी हुई है, हंसी, हल्के-फुल्के किरदार और सहज हास्य। पिछले दिनों ‘धुरंधर’ में उन्होंने ये छवि तोड़ी और इस सीरीज़ राकेश बेदी का गंभीर रूप इसलिए अधिक प्रभाव पैदा करता है। यह भूमिका याद दिलाती है कि कलाकार को उसकी पुरानी छवि में कैद करना कितना आसान और कितना गलत है।

आमिर बशीर, दिव्येंदु भट्टाचार्य और दूसरे कलाकार भी कहानी की दुनिया को मजबूती देते हैं। यहां कलाकार कहानी से बड़े होने की कोशिश नहीं करते। और यह बात आज के दौर में कम देखने को मिलती है। अपराधी से ज्यादा डरावना है वह समाज जो उसे पैदा करता है। ‘राख’ की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अपराधी को केवल एक राक्षस बनाकर छोड़ नहीं देती क्योंकि राक्षस बना देना आसान है। फिर हम उससे दूरी बना सकते हैं। कह सकते हैं कि वह हमारे जैसा नहीं था। वह अलग था। वह बुरा था। लेकिन अगर हम यह मान लें कि अपराध करने वाला भी इसी समाज से निकला एक इंसान है, तब सवाल असुविधाजनक हो जाता है। उसके भीतर यह हिंसा आई कहां से? किस सोच ने उसे ताकत और हिंसा को एक ही चीज समझना सिखाया? किस तरह का पुरुषत्व उसे यह विश्वास देता है कि सामने वाले इंसान की इच्छा, गरिमा और जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी अपनी इच्छा है? ‘राख’ इन सवालों को किसी भाषण की तरह सामने नहीं रखती। वह घटनाओं के भीतर से इन्हें उभरने देती है। और यही इसकी समझदारी है। कुछ जगहों पर ‘राख’ धीमी लगती है, लेकिन हर धीमी चीज कमज़ोर नहीं होती। यहां आकर ‘राख’ से थोड़ी शिकायत भी बनती है। कहीं कहीं पर कहानी जरूरत से ज्यादा ठहर जाती है। कुछ प्रसंग ऐसे हैं जिन्हें थोड़ा छोटा किया जा सकता था। कुछ सहायक पात्रों की कहानी को और कसाव मिल सकता था। आज का दर्शक अपराध-कथा से लगातार नए रहस्य, नए मोड़ और तेज़ गति की उम्मीद करता है। ‘राख’ हर समय यह सुविधा नहीं देती। दरअसल, वास्तविक जांच-पड़ताल ऐसी नहीं होती जैसी हम पर्दे पर देखने के आदी हो चुके हैं। असली जांच में एक ही सवाल बार-बार पूछा जाता है। एक सुराग कई दिनों तक कुछ नहीं देता। किसी बयान में मामूली-सा विरोधाभास अचानक महत्वपूर्ण हो जाता है। कई बार पुलिस गलत दिशा में जाती है। और कई बार सच सामने होते हुए भी दिखाई नहीं देता। ‘राख’ इस थकान को अपनी कहानी का हिस्सा बनाती है। ‘राख’ देखते हुए सबसे दिलचस्प बात यह है कि सन् 1978 और सन् 2026 के बीच दूरी महसूस होने के बावजूद कहानी के कुछ सवाल बिल्कुल आज के लगते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को कितना जानते हैं? बच्चे अपने माता-पिता से कितनी बातें छिपाते हैं? क्या तकनीक ने हमें एक-दूसरे के करीब ला दिया है या सिर्फ एक-दूसरे पर नजर रखना आसान किया है? आज हमारे पास पहले से कहीं ज्यादा जानकारी है। लेकिन क्या हमारे पास एक-दूसरे को समझने का समय भी है? यह सवाल ‘राख’ सीधे नहीं पूछती, लेकिन कहानी देखते हुए मन में जरूर आता है। और यहीं एक पुरानी अपराध-कथा अचानक हमारे समय की कहानी बन जाती है।

‘राख’ में दिल्ली सिफ़र् घटनाओं की पृष्ठभूमि नहीं है। वह खुद एक किरदार है। एक तरफ सरकारी इमारतें हैं, परिवार हैं, आकाशवाणी है, सड़कों पर चलता हुआ सामान्य जीवन है। दूसरी तरफ उसी शहर में एक ऐसा अंधेरा है जिसे सामान्य जीवन देख नहीं पाता। यह विरोधाभास बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि हर अपराध किसी वीरान ग्रह पर नहीं होता। अधिकांश अपराध उसी समाज में होते हैं जिसमें हम और आप रहते हैं। उसी सड़क पर। उसी शहर में। उसी व्यवस्था के बीच। और अपराध के बाद भी शहर चलता रहता है। सुबह होती है। लोग काम पर जाते हैं। दुकानें खुलती हैं। बसें चलती हैं। बच्चे स्कूल जाते हैं। लेकिन किसी एक घर में समय रुक जाता है। ‘राख’ की असली त्रासदी शायद यही है। दुनिया आगे बढ़ जाती है। पीड़ित परिवार वहीं रह जाता है। अच्छा अपराध-नाटक अपराध से ज्यादा उसके बाद की जिंदगी को याद रखता है।‘राख’ यह सोचने पर मजबूर करती है कि जो हो चुका है, उसके बाद क्या होगा। अपराधी पकड़ा जाएगा। कानून अपना काम करेगा। मामला अदालत तक जाएगा। समाचार-पत्रों में खबर छपेगी। कुछ दिनों तक पूरा देश बात करेगा। फिर? फिर समाज आगे बढ़ जाएगा। लेकिन जिस परिवार ने अपना बच्चा खोया है, उसके लिए वह घटना कभी अतीत नहीं बनेगी। यही ‘राख’ है। आग खत्म हो जाने के बाद भी उसका निशान बचा रहता है। और इसलिए नाम ‘राख’ सार्थक लगता है। आग को हम देखते हैं। राख को हम अक्सर सिफ़र् बचे हुए अवशेष की तरह देखते हैं। लेकिन राख में आग की पूरी कहानी छिपी होती है। कितनी गर्म थी। कितनी देर जली। क्या-क्या जलाया। और उसके बाद क्या बचा। ‘राख’ भी अपराध के बाद बचे हुए संसार की कहानी है। यह हमें बताती है कि हर अपराध की एक दूसरी कहानी होती है जो अपराधी के पकड़े जाने के बाद शुरू होती है। वह परिवार की कहानी है। उस मां की कहानी है। उस पुलिसवाले की कहानी है जो महीनों उस मामले के साथ जीता है। उस शहर की कहानी है जो कुछ समय बाद सब भूल जाना चाहता है। और उस समाज की कहानी है जिसे अपने भीतर झांकना पसंद नहीं। ‘राख’ कोई ऐसी सीरीज़ नहीं है जिसे देखकर आप हर दस मिनट में कहें कि “क्या जबरदस्त मोड़ आया!” यह उससे अलग तरह की कहानी है। यह धीरे-धीरे भीतर उतरती है। कहीं आपको रोकती है। कहीं अधीर करती है। कहीं परेशान करती है। और शायद इसलिए आखिरी सवाल यही रह जाता है कि आग बुझ गई।?अपराधी पकड़ा गया।?कहानी खत्म हो गई।

जोखिम यात्रा में वाहन बीमा की प्रासंगिकता

राकेश कुमार वर्मा

प्रदेश में वैध बीमा बगैर संबंधित वाहन को अब ईंधन नहीं दिया जाएगा । इसके तहत पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए जाएंगे, जिन्हें केंद्र सरकार के वाहन पोर्टल से इंटीग्रेट किया जाएगा। हाल ही में उच्चनतम न्यारयालय के न्याएयाधीश न्यायमूर्ति संजय करोल और पीके मिश्रा की युगल पीठ ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 146 के अनुपालन में कमी को उजागर करने वाली अपील की सुनवाई करते हुए इसे सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) और आईआरडीए (भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण) के माध्यम से लागू करने के निर्देश दिये । बिना बीमा या बिना पंजीकरण वाले वाहनों की पहचान के लिए बीमा सूचना ब्यूरो (आईआरडीए के तहत स्थापित)हैंडहेल्ड डिवाइस के माध्यम से वाहन पोर्टल डेटा की प्रक्रिया आरंभ की जायेगी । इससे सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को लंबे समय तक चलने वाले मुकदमों राहत सहित मुआवजा सुनिश्चित में मदद मिलेगी। इस परिप्रेक्ष्य। में नई कारों के लिए बीमा अवधि को चार साल और नए दुपहिया वाहनों के लिए छह साल का तृतीय-पक्ष बीमा खरीदने के लिए न्याययालय ने इरडा को आवश्यतक निर्देश दिया।। अदालत ने कहा कि वर्तमान में, राजमार्गों और सड़कों पर तैनात एएनपीआर कैमरों में तेज गति, लाल बत्ती जंप करना, सड़क के गलत साइड पर गाड़ी चलाने गाड़ी चलाते समय मादक पदार्थ सेवन, पूर्ण् नींद न लेना, मोबाइल उपयोग, सीटबेल्ट हेलमेट की उपेक्षा पर नियंत्रण के लिए मानक कैमरो का उपयोग किया जाये। सड़कों पर पशुओं के कारण होने वाले हादसों को रोकने ग्राम व वार्ड स्तर पर समितियां बनेंगी। इन समितियों को प्रोत्साहन राशि देकर एक्टिव किया जाएगा प्रदेश में कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या करीब 1.75 करोड़ है। इनमें से करीब 35% (करीब 61 लाख) वाहन बिना वैध इंश्योरेंस के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सड़क हादसों में मौतों का आंकड़ा शून्य पर लाने के मकसद से संचालित जीरो फैटिलिटी डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम का दायरा 6 से बढ़ाकर 9 जिलों तक कर दिया है। पहले से शामिल धार, सतना, रीवा, सागर, जबलपुर और खरगोन के साथ अब भोपाल, इंदौर और उज्जैन भी इसमें जुड़ गए हैं। प्रौद्योगिकी को अपनाने से सड़क सुरक्षा में क्रांति आ सकती है। बुद्धिमान यातायात प्रबंधन प्रणालियाँ, निगरानी कैमरे और स्मार्ट सिग्नलिंग यातायात के सुचारू प्रवाह में योगदान कर सकते हैं और यातायात नियमों की निगरानी और उन्हें लागू करने में सहायता कर सकते हैं।

सड़क सुरक्षा को मुख्य रूप से सड़क की स्थिति, वाहन की गुणवत्ता और पर्यावरण संबंधी कारक प्रभावित करते हैं। भारत में कई सड़कों में अच्छी तरह से बनाए रखी गई सतहों और स्पष्ट संकेतों सहित उचित बुनियादी ढांचे का अभाव है। पैदल यात्री-अनुकूल मार्गों का अभाव जोखिमों को और बढ़ा देती है, जिससे पूरे देश में सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

कानून प्रवर्तन को मजबूत करना, उल्लंघनों के लिए सख्त दंड के साथ मिलकर, एक निवारक के रूप में कार्य कर सकता है और अनुपालन की संस्कृति को बढ़ावा दे सकता है। भारत में सड़क सुरक्षा एक बहुआयामी चुनौती है जिसके लिए व्यापक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता है । इसमें बेहतर बुनियादी ढांचे से लेकर जिम्मेदार सड़क उपयोग की ओर सांस्कृतिक बदलाव व सुरक्षित सड़क निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह सिर्फ हमारे गंतव्य तक पहुंचने के बारे में नहीं है; अपितु सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने से संबंधित है ।

हालाँकि देश में सड़क सुरक्षा कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका प्रभावी कार्यान्वयन एक चुनौती बना हुआ है। जिस देश में रैली, राजनीतिक धरना, रोड शो, उपकृत करने हेतु अनावश्याक निर्माण सहित नागरिकों के जन्मच से लेकर म़त्युं तक समस्तै आयोजन सड़क पर होते हों वहां मौतों का आंकड़ा शून्य पर लाने की धारणा गले नहीं उतरती। कोहरा, बारिश, घटियानिर्माण,ओवरलोडिग, ओवरटेकिंग, भ्रष्टोचार भी इसके लिए कम जिम्मेदार नहीं हैं। वर्तमान में विविध श्रेणी में बन रहे नित नवीन मार्ग के बावजूद घंटों जाम की स्थिति क्याट आगामी 50 वर्षों की नीति का प्रमाप बन सकती है। जहां एक ही बारिश पूरे तंत्र की पोल खोलने का माद्दा रखती हो वहां सुरक्षा की गारंटी महज एक छलावा है। सुरक्षित यातायात व्यमयसाध्यत निर्मित भंगार होते कैमरे- सिंगनल, धंसकती सीवेजलाइन, आकार लेते गढ्ढे, बेतरतीब तार, क्रीड़ास्थाली व पशु पनाहगार बने सड़कों पर पुलिस वसूली का शिकार होते यात्री की सुरक्षा को न्यालयालय किस तरह देखेगा जिसकी आंखों के सामने पीडित को नियत तारीख की कीमत चुकानी पड़ती है। इसके लिए अनिवार्य बीमा कहीं बीमा कंपनियो के अनुचित लाभ का माध्यंम मात्र बनकर न रह जाये इसलिए उस पर अंकुश जरूरी है। वैध बीमा पश्चाोत भी पीड़ितों को प्रायः उसके लाभ से वंचित होने की बानगी अक्सैमर देखने को मिलती है चाहे वह बीमा का कोई भी क्षेत्र हो। ऐसे समय में जब देश को शक्कयर, ईधन, बस भाड़े खाद्य सामग्री सहित अनेक मूलभूत आवश्यंकताओं के लिए अचानक दोगुनी मंहगाई मार की त्रासदी से गुजरना पड़ रहा हो ऐसे समय में अनिवार्य बीमा को तत्कानल लागू करने का निर्णय न्याकयसंगत नही जान पड़ता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मेष राशिः मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढिय़ा रहने वाला है। आज आपका काम आसानी से पूरा होगा। किसी काम को पूरा करने या किसी योजना की शुरुआत करने के लिए आज का दिन बढिय़ा है। आप जीवनसाथी के साथ किसी वैवाहिक उत्सव में शामिल होंगे। पारिवारिक सुख शांति बनी रहेगी। आज किसी मित्र से हुई गलतफहमी को बात करके दूर करेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की जरूरत है, नहीं तो कुछ लोग आपकी बातों का विरोध कर सकते है। आज काम से छुटकारा पाकर बच्चों के साथ समय बिताएंगे। इस राशि के कर्मचारियों को आज ऑफिस में बॉस से वाहवाही मिल सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन ठीक रहेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। इस राशि के सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को सफलता मिलने के योग बने हुए है। आज आप जहां जरूरत लगे, वहां समझौता करने के लिए तैयार रहेंगे। आप अपनी योग्यता से अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे। आज के दिन कोई करीबी खुशियों को दोगुना कर देगा।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन नई उमंगों से भरा रहेगा। आप जितनी मेहनत करेंगे उसके अनुकूल आपको लाभ मिलेगा। आपके संतान की सफलता पर बधाइयां देने लोग, आपके घर आयेंगे। अगर काफी दिनों से आपका पैसा रुका है तो आज मिल जायेगा। आज आपके दैनिक कार्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज घर में आप स्वादिष्ट भोजन का आनन्द उठायेंगे।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इस राशि के लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है। साथ ही रिश्तेदारों के साथ अपने रिश्तों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आज दफ्तर में मशीनों की खराबी परेशानी का सबब बन सकती है। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे, तो वह आपका पीछा नहीं छोड़ेगी, बेहतर हैं उसको उसी टाइम सॉल्व करें।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक स्थिति में फायदा दिलाने वाला होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी, कुछ नई योजना भी बनायेंगे। आपका वैवाहिक जीवन रंगों से भरा रहेगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज सोच-समझकर कदम बढ़ाने की जरूरत हैं, दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना आपके लिए अच्छा होगा। इस राशि के जो लोग किसी नए बिजनेस की शुरुआत करना चाहते है, उनके लिए आज का दिन शुभ हैं।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन ठीक रहने वाला है। इस राशि के जो लोग व्यापार से जुड़े हैं, उन्हें आज निवेश करने और अनुमान के आधार पर पैसे लगाने से बचना चाहिए। आज आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ मनोरंजक पल बितायेंगे। व्यावसायिक साझीदार कार्यों में सहयोग करेंगे, जिससे रुके हुए कार्य पूरे होते जायेंगे। आज आपके विरोधी आपसे दूरी बनाकर रहेंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप फैमिली के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे, परिवार में उत्साह का माहौल बना रहेगा। आज के दिन आपको लेन-देन सम्बन्धी मामलों में थोड़ा एहतियात बरतने की जरूरत है। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े हैं वे लोग आज अपनी सभा आयोजित करेंगे, सभा में कुछ इम्पोर्टेन्ट टॉपिक पर चर्चा होगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन लाभ दिलाने वाला है। कई वर्षों की मेहनत का फल आज आपको मिल सकता है। आप दिनभर एनर्जेटिक रहेंगे, काम में आपका मन लगा रहेगा। इस राशि के जो लोग स्टील के बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज ज्यादा लाभ के योग हैं। आपकी बातों से किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे इस बात का खास ख्याल रखेंगे।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आपका दिन अच्छा रहेगा। जो छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए सफलता के योग हैं। समाज में आपके द्वारा किये गये कामों की तारीफ होगी आपका सम्मान बढ़ेगा। आपकी अच्छी कार्यशैली से लोग आपसे बहुत कुछ सीखेंगे। आज परिवार में आपकी बातों को ज्यादा महत्व दिया जायेगा।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज आपका दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आपका अच्छा व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। आपके कुछ छिपे विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैला सकते हैं, आप उनकी बातों को इग्नोर करें। अगर आप किसी बिजनेस में इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो किसी एक्सपर्ट से राय जरूर ले लें। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी, जूनियर्स आपके काम से बहुत कुछ सीखेंगे।

जंतर-मंतर छात्र आंदोलन एफ़आईआर पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फ़ैसला

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

संविधान के अनुच्छेद 19 शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति और राज्य की जवाबदेही को महत्व, गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की व्यक्तिगत भूमिका की जांच का रास्ता खुला

1 सितंबर 2026 का सर्वोच्च न्यायालय क्रा आदेश भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संतुलन -शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक असहमति प्रदर्शन बनाम प्रदर्शन की आड़ में गंभीर हिंसा, जघन्य अपराध करने वाले आंदोलनकारी कार्यों को सुरक्षा नहीं

वैश्विक स्तरपर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 1 सितंबर 2026 का दिन छात्र आंदोलनों, नागरिक स्वतंत्रता और राज्य की जवाबदेही के बीच संतुलन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण न्यायिक पड़ाव के रूप में दर्ज किया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने 20 से 25 जुलाई 2026 के बीच राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानी एनईईटी में कथित अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हुए छात्र प्रदर्शनों से संबंधित प्रथम सूचना रिपोर्टों पर बड़ा आदेश देते हुए कहा कि देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में इन प्रदर्शनों से संबंधित मामलों को आगे अभियोजन या जांच के लिए नहीं चलाया जाएगा और उन्हें सभी उद्देश्यों के लिए बंद माना जाएगा। हालांकि इस व्यापक राहत के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण अपवाद रखा गया है,गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 व्यक्तियों के संबंध में अलग कार्रवाई और उनकी व्यक्तिगत भूमिका की जांच का रास्ता खुला रहेगा। इसीलिए इस आदेश को केवल सभी एफआईआर रद्द कहना अधूरा होगा; इसका वास्तविक संदेश है,सामान्य छात्र प्रदर्शनकारियों के लिए व्यापक राहत, लेकिन गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों के लिए अलग कानूनी परीक्षण।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा क्रि 31अगस्त 2026 को सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में जंतर मंतर आंदोलन से संबंधित एफ़ आई आऱ रद्द करने का का निवेदन फाइल किया था माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इसपर त्वरित1 सितंबर 2026 को सुनवाई का दिन निर्धारित किया था। साथियों, इस पूरे मामले की कानूनी पृष्ठभूमि शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी बनाम भारत संघ एवं अन्य,आपराधिक रिटयाचिका संख्या 280/2026 से जुड़ी है।इसके साथअन्य संबंधित याचिकाएं भी जुड़ी हुई हैं। 28 जुलाई 2026 को तीन सदस्यीय पीठ,मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना, ने पहली महत्वपूर्ण अंतरिम व्यवस्था की थी। न्यायालय के अभिलेख के अनुसार इन याचिकाओं में जंतर-मंतर, नई दिल्ली तथा देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शनकारियों मुख्यतः छात्रों, के खिलाफ कथित अत्यधिक पुलिस बल के इस्तेमाल,लाठीचार्ज,आंसू गैस, रबर की गोलियों और अन्य कार्रवाई के आरोप उठाए गए थे।दूसरी ओर सरकार की ओर से यह कहा गया था कि प्रदर्शन में कुछ गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले तत्व शामिल होकर हिंसा में लिप्त हुए और पुलिस कर्मियों को भी गंभीर चोटें आईं। यह पूरी जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स क्रे आधार पर ली गई है। साथियों, 28 जुलाई के इसी आदेश में सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण संतुलन कायम किया था। अदालत ने पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों को सीसीटीवी दृश्यांकन, ड्रोन से प्राप्त दृश्यांकन,शरीर पर लगाए गए कैमरों कीरिकॉर्डिंग वीडियो अभिलेख, वायरलेस संचार अभिलेख और पुलिस नियंत्रण कक्ष के अभिलेख सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था।साथ हीप्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी और इलेक्ट्रॉनिक आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं करने का आदेश दिया गया। राज्यों और पुलिस को प्राथमिकी की जांच आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई, लेकिन प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ बलपूर्वक या दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया गया। इस सुरक्षा का अपवाद उन व्यक्तियों के लिए रखा गया था जिनकी पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि थी।नाबालिग बच्चों को, यदि वे इस आंदोलन के सिलसिले में हिरासत या गिरफ्तारी में थे और उनके खिलाफ ऐसी गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं थी, तो रिहा करने का भी निर्देश दिया गया था। साथियों, यहीं से पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि शब्द पूरे मामले का सबसे संवेदनशील कानूनी प्रश्न बन गया। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इस संदर्भ में पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि का अर्थ किसी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज हर छोटी-बड़ी प्राथमिकी या मामूली पुराने मामले से नहीं है, बल्कि गंभीर एवं जघन्य अपराधों से है।यह स्पष्टीकरण इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल यह तथ्य कि किसी प्रदर्शनकारी के खिलाफ अतीत में कोई प्राथमिकी दर्ज रही है,उसे स्वतः सर्वोच्च न्यायालय की राहत से बाहर नहीं कर देता।3 अगस्त के स्पष्टीकरण में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्य कानून के अनुसार विभिन्न प्राथमिकी को बंद या वापस लेने के संबंध में उचित निर्णय ले सकते हैं। साथियों,1 सितंबर के आदेश का सबसे बड़ा प्रभाव दिल्ली तक सीमित नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने 20 से 25 जुलाई के छात्र प्रदर्शनों से संबंधित देशभर की प्राथमिकी को आगे अभियोजन अथवा जांच के लिए नहीं चलाने और उन्हें बंद मानने का निर्देश दिया। इसका अर्थ यह है कि जिस छात्र के खिलाफ केवल इस विशेष आंदोलन में भाग लेने के कारण प्राथमिकी हुई थी और जो गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अपवाद में नहीं आता, उसे व्यापक कानूनी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार के साथ बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र ने भी संबंधित प्राथमिकी समाप्त करने की मांग की थी। इस प्रकार यह मामला दिल्ली के जंतर-मंतर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के न्यायिक हस्तक्षेप का रूप ले चुका है। साथियों,दिल्ली की स्थिति को समझना भी जरूरी है। दिल्ली पुलिस ने 20 से 25 जुलाई के आंदोलन से संबंधित 13 प्राथमिकी को आगे नहीं चलाने की इच्छा सर्वोच्च न्यायालय के सामने रखी थी। इन प्राथमिकी में दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और अन्य गंभीर आरोप शामिल थे; उपलब्ध समाचार विवरणों के अनुसार इनमें से 10 प्राथमिकी में हत्या के प्रयास से संबंधित आरोप भी थे।पुलिस ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय से इन मामलों को समाप्त करने का अनुरोध किया था।लेकिन इसी के साथ उसने 2,873 ऐसे व्यक्तियों के लिए एक अलग और केंद्रित प्राथमिकी की अनुमति मांगी जिन्हें गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाला बताया गया और जिनकी प्रदर्शन स्थल पर मौजूदगी सटीकता से चिन्हित की गई थी। साथियों, 2,873 का आंकड़ा इस आदेश की सबसे अधिक चर्चा में रहने वाली बात है, लेकिन इसे समझते समय पत्रकारिता में अत्यधिक सावधानी आवश्यक है। ये 2,873 लोग सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दोषी घोषित नहीं किए गए हैं। उनका अपराध सिद्ध नहीं हुआ है। उपलब्ध विवरण के अनुसार प्रस्तावित अलग प्राथमिकी और जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन व्यक्तियों की 20 से 25 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान हिंसा, शारीरिक क्षति या सार्वजनिक अथवा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में कोई व्यक्तिगत भूमिका थी या नहीं। इसलिए मीडिया में इन्हें सीधे दोषी, अपराधी या हिस्ट्रीशीटर घोषित करना न्यायिक प्रक्रिया के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं होगा।सही कानूनीभाषा होगी,गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 चिन्हित व्यक्तियों की सटिका से व्यक्तिगत भूमिका की अलग जांच। साथियों,सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भविष्य की प्राथमिकी से जुड़ा है। केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस ने अदालत के सामने यह आश्वासन दिया कि 20 से 25 जुलाई की जिन घटनाओं को वर्तमान आवेदन में शामिल किया गया है, उनके संबंध में आगे कोई नई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी, सिवाय उस विशिष्ट कार्रवाई के जिसे गंभीर पूर्व आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 2,873 व्यक्तियों के संबंध में अनुमति दी गई है। इस व्यवस्था का सीधा प्रभाव उन सामान्य प्रदर्शनकारियों पर पड़ेगा जिन्हें यह आशंका थी कि आंदोलन समाप्त होने के बाद भी अलग-अलग घटनाओं के नाम पर उनके खिलाफ लगातार नए सटीक आपराधिक मामले दर्ज किए जा सकते हैं। साथियों इस आदेश को संविधान के अनुच्छेद 142 के व्यापक संदर्भ में भी देखना होगा।अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को किसी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए विशेष शक्ति देता है। इस मामले में केंद्र सरकार की ओर से इसी संवैधानिक शक्ति का सहारा लेकर प्राथमिकी समाप्त करने का अनुरोध किया गया था। न्यायालय का दृष्टिकोण केवल तत्काल आपराधिक मामलों को समाप्त करना नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य पर उन मामलों के दीर्घकालिक प्रभाव को ध्यान में रखना भी रहा। अदालत ने छात्रों और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस असाधारण संवैधानिक शक्ति के प्रयोग को उचित माना।हालांकि प्राथमिकी समाप्त होने का अर्थ यह नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्येक प्रदर्शनकारी को तथ्यात्मक रूप से निर्दोष घोषित कर दिया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत में पहली बार खेले जाएंगे एएफसी महिला क्लब चैंपियंस लीग मुकाबले, ईस्ट बंगाल करेगा भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी, कोलकाता

भारत में पहली बार एएफसी महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल के क्लब स्तर के मुकाबले खेले जाएंगे। लीग के ग्रुप बी के इन मैचों की मेजबानी कोलकाता को मिली है। इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय क्लब प्रतियोगिता के तीसरे संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली ईस्ट बंगाल को कोरिया, वियतनाम और डेमोक्रेटिक पीपल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया की मजबूत टीमों के साथ एक एक ग्रुप में रखा गया है। यह पहली बार है जब भारत में एएफसी महिला चैंपियंस लीग के क्लब स्तर के मुकाबले खेले जाएंगे, जो देश में महिला फुटबॉल के बढ़ते कद और वैश्विक मंच पर इसकी पहचान का प्रतीक है।

मलेशिया के कुआलालंपुर स्थित एएफसी हाउस में ग्रुप स्तर के ड्रॉ निकाले गये जिसमें ईस्ट बंगाल का मुकाबला रिपब्लिक ऑफ कोरिया के क्लब हवाचेओन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी, वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी और कोरिया के अप्रैल 25 स्पोर्ट्स क्लब से होगा। यह एक बेहद प्रतिस्पर्धी समूह है जिसमें मुकाबले के दौरान ईस्ट बंगाल को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता का प्रदर्शन करना होगा। ईस्ट बंगाल ने पिछले क्वालीफाइंग दौर में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शुरुआती दौर के ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया था। तब ईस्ट बंगाल नरे सबाह एफसी (मलेशिया), राजशाही स्टार्स (बांग्लादेश) और रोवर्स एफसी (गुआम) जैसी टीमों को पीछे छोड़कर दूसरे सत्र के लिए एडब्ल्यूसीएल के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनायी थी। कोलकाता 1 से 7 नवंबर तक ग्रुप बी के सभी महत्वपूर्ण मैचों की मेजबानी करेगा। इससे न केवल भारतीय महिला फुटबॉल प्रशंसकों को विश्व स्तरीय क्लब एक्शन देखने का अवसर मिलेगा, बल्कि भारत में महिला फुटबॉल के विकास के लिए भी एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। इस मेजबानी से खेल को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलने और युवा लड़कियों को फुटबॉल में करियर बनाने के लिए प्रेरणा भी मिलेगी। एशियन फुटबॉल कॉन्फेडरेशन (एएफसी) द्वारा आयोजित इस आगामी संस्करण में कुल 12 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के तीन सेंट्रलाइज्ड लीग फॉर्मेट ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सबसे अच्छी रैंकिंग वाली टीमें नॉकआउट स्टेज, यानी क्वार्टर-फाइनल में पहुंचेंगी। क्वार्टर-फाइनल मुकाबले अगले साल मार्च में खेले जाएंगे, जिनका ड्रॉ दिसंबर में अलग से निकाला जाएगा। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार, तीनों ग्रुप के विजेता और सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली रनर-अप टीम क्वार्टर-फाइनल की मेजबानी करेंगी, जिससे घर में खेलने का फायदा मिल सकता है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के मुकाबले अगले माह

एजेंसी, सिडनी

पूर्व क्रिकेटरों की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा। इसमें भारत के पूर्व ऑल राउंडर युवराज सिंह, ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर सहित कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर खेलते हुए नजर आयेंगे। । ऐसे में प्रशंसकों को एक बार फिर इन बल्लेबाजों का आक्रामक खेल देखने को मिलेगा। चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग से कई पूर्व क्रिकेटरों को एक मंच मिलता है। इस बार बांग्लादेश के महमुदुल्लाह रियाद जैसे खिलाड़ी भी इस लीग में शामिल हो रहे हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स का यह तीसरा सत्र है। वहीं लीग के पहले सत्र में इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब जीता था। वहीं, दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर ट्रॉफी जीती थी। इस बार टूर्नामेंट में बांग्लादेश चैंपियंस को भी शामिल किया गया है, जिससे टूर्नामेंट में नई टीमों और खिलाड़ियों का प्रवेश होगा और प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ने की उम्मीद है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स की ओर से कहा गया है कि दो सफल सत्र के बाद, लीग का तीसरा सत्र अधिक रोमांचक रहने की उम्मीद है। ये सत्र प्रशंसकों को एक अभूतपूर्व अनुभव देने का वादा करता है, जहां क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर अपने पुराने और आकर्षक अंदाज में नजर आएंगे। लीग का लक्ष्य रिटायर हो चुके खिलाड़ियों को एक मंच देना है, जिससे वे खेल के प्रति अपने जुनून को जीवित रख सकें और प्रशंसकों का मनोरंजन कर सकें। लीग के सीईओ हर्षित तोमर ने आगामी सीजन को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने कहा, सीजन 3 बहुत खास होने वाला है। इस सत्र का आयोजन इंग्लैंड से बाहर होगा। इस सत्र में क्रिकेट के सबसे बड़े नाम और ऐसे स्टार्स को लेकर आएंगे जिनके बारे में प्रशंसक सोच सकते हैं।

अब जडेजा का विकल्प तलाशने की जरुरत : दीप दासगुप्ता

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि अब टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का विकल्प तलाशना शुरु कर देना चाहिये। दीपदास के अनुसार श्रीलंका दौरे में ये देखने में आया है कि अब जडेजा की गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में वह अधिक विकेट भी नहीं ले पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन को उनकी जगह के लिए किसी खिलाड़ी को तैयार करना शुरु कर देना चाहिये। जडेजा ने श्रीलंका सीरीज की चार पारियों में कुल 8 विकेट लिए। दासगुप्ता को लगा कि भारत का स्पिन आक्रमण इस दौरे में विपक्षी टीम के लिए लगातार खतरा पैदा नहीं कर पाया। पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि श्रीलंका को फॉलो-ऑन देने के बावजूद भारतीय टीम उनके निचले क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी आउट नहीं कर पायी। दासगुप्ता ने कहा, मानव सुथार को छोड़कर, हमारे स्पिनर उतने खतरनाक नहीं दिखे जितनी हमें उम्मीद थी। ऐसी पिचों पर जडेजा हमेशा से बहुत खतरनाक और असरदार रहे हैं पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं दिखी। मुझे लगा था कि पांचवें दिन वह अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने टीम के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अब उसने आगे बढ़ने का समय आ गया है। वह अपनी सामान्य सटीकता के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे थे।

श्रीलंका के कुशल और बिनुरा चोटिल हुए, इंग्लैंड दौरे में असलंका करेंगे कप्तानी

एजेंसी, कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट टीम को आगामी इंग्लैंड दौरे से पहले ही करारा झटका लगा है। इस दौरे के लिए कप्तान बनाये गये कुसल मेंडिस और तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) ने कहा है कि दोनों खिलाड़ी अब अपनी चोटों से उबरने के लिए पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, जो उन्हें हाल ही में संपन्न हुई लंका प्रीमियर लीग में लगी थीं। इस घोषणा के बाद से ही टीम की कप्तानी में भी बदलव हुआ है। कुसल के नहीं होने से उप-कप्तान चरिथ असलंका अब टी-20 में टीम की कप्तानी संभालेंगे। वहीं एकदिवसीय सीरीज तक कुशल के फिट होने की संभावना है। ऐसे में उनकी कप्तानी बरकरार है पर अगर वह फिट नहीं होते हैं तो उप-कप्तान होने के कारण असलंका ही कप्तान करेंगे।

कुसल 19 जुलाई से ही अपने दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग चोट के कारण मैदान से बाहर हैं, जबकि बिनुरा फर्नांडो 5 अगस्त से नहीं खेले हैं और बोर्डके अनुसार वह पीठ की चोट से जूझ रहे हैं। इन प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण टीम में नए चेहरों को मौका मिला है। 24 वर्षीय टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज पवन रत्नायके को टी-20 टूरिंग टीम कुसल मेंडिस की जगह पर शामिल किया गया है।

एसटी 20 लीग के पांचवें सत्र में में खेलेंगे मार्श , कुरेन

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जॉर्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा।

वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं। उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और ऑस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं। कैपिटल्स के पास पहले से ही डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी और भी जबरदस्त दिख रही है।

बिजनेस

ई-कॉमर्स गिग वर्कर्स: जोखिमों से घिरा जीवन, सुरक्षा कवच नदारद

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में ई-कॉमर्स मंचों से जुड़े लाखों कर्मचारी कार्यस्थल पर गंभीर सुरक्षा जोखिमों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनके पास न तो पर्याप्त बीमा है, न सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण और न ही अपनी चिंताओं को उठाने के लिए उचित व्यवस्था। यह चौंकाने वाला खुलासा श्रम अधिकार संगठन 'जनपहल' और गिग वर्कर्स एसोसिएशन द्वारा जारी एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में हुआ है, जिसमें गिग वर्कर्स की दयनीय कार्य दशाओं को उजागर किया गया है। सर्वेक्षण के अनुसार, इन कर्मचारियों के समक्ष सबसे बड़ा जोखिम अत्यधिक गर्मी में काम करने की मजबूरी है। सर्वेक्षण में शामिल ऐसे 778 श्रमिकों में से 96.57 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि गर्मी के कारण उनकी कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। वहीं 75.5 प्रतिशत ने अपनी उत्पादकता घटने और सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। लगातार गर्मी में काम करने से उन्हें थकावट, निर्जलीकरण और शरीर का तापमान बढ़ने जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन गंभीर जोखिमों के बावजूद, सुरक्षा जाल का अभाव स्पष्ट है। सर्वेक्षण में 62.2 प्रतिशत श्रमिकों ने बताया कि उनके पास स्वास्थ्य बीमा की सुविधा नहीं है, जबकि 44.2 प्रतिशत ने दुर्घटना बीमा न होने की बात कही। दुर्घटना बीमा प्राप्त करने का प्रयास करने वाले 80 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों ने इसकी प्रक्रिया को अत्यंत कठिन बताया। यह रिपोर्ट 10 शहरों के 1,000 प्लेटफॉर्म कर्मचारियों से की गई बातचीत पर आधारित है और बताती है कि व्यावसायिक जोखिमों से निपटने की जिम्मेदारी काफी हद तक कर्मचारियों पर ही है। सुरक्षा प्रशिक्षण के मोर्चे पर भी स्थिति चिंताजनक है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 59.3 प्रतिशत श्रमिकों को उनके प्लेटफॉर्म से कोई सुरक्षा प्रशिक्षण या संसाधन प्राप्त नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त, 23.4 प्रतिशत ने कहा कि दिया गया प्रशिक्षण अपर्याप्त था, जबकि केवल 7.5 प्रतिशत ने ही व्यापक सुरक्षा प्रशिक्षण मिलने की बात स्वीकार की। रिपोर्ट ने यह भी उजागर किया कि 50 प्रतिशत गिग कर्मचारियों ने 'ई-श्रम' पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है, जो असंगठित श्रमिकों के लिए एक सरकारी डेटाबेस है। इसके परिणामस्वरूप, बड़ी संख्या में ये कर्मचारी प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा और पीएम सुरक्षा बीमा योजना के तहत दुर्घटना बीमा जैसे सामाजिक सुरक्षा लाभों से वंचित हैं। यह स्थिति गिग अर्थव्यवस्था में श्रमिकों के लिए औपचारिक मान्यता और सुरक्षा की कमी को दर्शाती है।

सेल ने अगस्त में बनाया उत्पादन का नया रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अगस्त में बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की है, जबकि उत्पादन के मोर्चे पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। सेल ने हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील का अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने शुक्रवार को 'एक्स' पर जारी बयान में बताया कि उसकी बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर 13 फीसदी बढ़कर 1.87 मिलियन टन हो गई है। इस दौरान होट मेटल, क्रूड स्टील और बिकने योग्य स्टील का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर रहा है। सेल ने बताया कि अगस्त में कच्चे स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 1.68 मिलियन टन हो गया है, जो बीते वर्ष 1.55 मिलियन टन था। वहीं, होट मेटल का उत्पादन सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 1.78 मिलियन टन हो गया है, जो इससे पिछले वर्ष 1.63 मिलियन टन था। कंपनी के मुताबिक बिक्री योग्य स्टील का उत्पादन सालाना आधार पर एक फीसदी बढ़कर 1.69 मिलियन टन हो गया है, जो पहले 1.66 मिलियन टन था।

एनएसई के आईपीओ को मिली हरी झंडी, सेबी ने ऑब्जर्वेशन लेटर जारी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एनएसई के आईपीओ के लिए हरी झंडी दे दी है। एनएसई ने 17 जून को सेबी के पास अपने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल किया था, जिस पर मार्केट रेगुलेटर ने आज ऑब्जर्वेशन लेटर जारी कर दिया। एनएसई के आईपीओ को लेकर पिछले एक दशक से कोशिश चल रही थी। हालांकि, रेगुलेटरी इश्यूज के चलते एनएसई के आईपीओ को अभी तक मंजूरी नहीं मिल सकी थी। अब सेबी की ओर से ऑब्जर्वेशन लेटर जारी हो जाने के बाद एनएसई के आईपीओ का रास्ता साफ हो गया है। एनएसई के आईपीओ के लिए अगले सप्ताह 8 सितंबर को रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) फाइलिंग हो सकती है। अगले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 11 सितंबर को इस आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का ऐलान किया जा सकता है। इसके एक सप्ताह बाद एनएसई का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हो सकता है, जबकि इसके शेयरों की लिस्टिंग बीएसई पर 25 सितंबर को हो सकती है। हालांकि, अभी आईपीओ की लॉन्चिंग, क्लोजिंग, एलॉटमेंट और लिस्टिंग से जुड़ी तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। एनएसई इन महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा मर्चेंट बैंकर्स के साथ चर्चा करने के बाद अगले सप्ताह 7 सितंबर यानी सोमवार को कर सकता है। एनएसई का यह पब्लिक इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल होगा। मतलब इस आईपीओ में कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। ऑफर फॉर सेल के तहत एसबीआई ग्रुप इस आईपीओ में अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेचने वाला है। इस आईपीओ में 14.89 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। बताया जा रहा है कि शेयरों की ये संख्या एक्सचेंज के पेड-अप कैपिटल की लगभग छह प्रतिशत है। दावा किया जा रहा है कि एनएसई का ये आईपीओ अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले ह्युंडई मोटर इंडिया ने दो साल पहले 2024 में 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लॉन्च किया था, जो देश में अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ माना जाता है। एनएसई ने अभी अपने आईपीओ के फाइनल साइज का ऐलान नहीं किया है, लेकिन अनलिस्टेड मार्केट (ग्रे मार्केट) के अनुमान के आधार पर माना जा रहा है कि इस आईपीओ का साइज लगभग 30,000 करोड़ रुपये हो सकता है।

डीपीए कांडला ने शिप-टू-शिप ट्रांसशिपमेंट में 12.7 मिलियन टन कार्गो हैंडल कर बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी, नई दिल्ली

गुजरात के कच्छ में स्थित दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण (डीपीए), कांडला ने नया कीर्तिमान रचा है। डीपीए ने शिप-टू-शिप ट्रांसशिपमेंट में 12.7 मिलियन टन का सर्वकालिक उच्च आंकड़ा पार कर एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि यह सफलता एक सितंबर, 2026 तक के संचालन में हासिल की गई है, जो कि शिप-टू-शिप ऑपरेशन्स के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह इसके ऑपरेशनल सफर में एक और अहम उपलब्धि है। डीपीए कांडला ने एक्स पर जारी पोस्ट में इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि बंदरगाह की बढ़ती समुद्री क्षमताओं, कुशल कामकाज और देश के लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को बेहतर बनाने तथा बंदरगाह-आधारित विकास को बढ़ावा देने में इसकी अहम भूमिका को दर्शाती है। यह उपलब्धि कांडला बंदरगाह की उच्च परिचालन दक्षता, आधुनिक समुद्री बुनियादी ढांचे और तेजी से बढ़ते व्यापारिक भरोसे को दर्शाती है। शिप-टू-शिप ऑपरेशंस में उल्लेखनीय वृद्धिः लॉजिस्टिक्स लागत घटाने में मददगारशिप-टू-शिप (एसटीएस) ट्रांसशिपमेंट प्रक्रिया के तहत गहरे समुद्र में बड़े जहाजों (मदर वेसल्स) से छोटे जहाजों (डॉटर वेसल्स) पर माल का सीधे स्थानांतरण किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार डीपीए कांडला पोर्ट ने 70.03एमएमटी कार्गो हैंडल किया है और यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत का सबसे तेज प्रमुख पोर्ट बन गया। ये उपलब्धि पिछले फाइनेंशियल ईयर के मुकाबले 32 दिन पहले हासिल की गई, साथ ही इसमें साल-दर-साल 23.02 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 740.80 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक उथल-पुथल के बीच जीडीपी के बाद अब विदेशी मुद्रा भंडार ने नया रिकॉर्ड बनाया है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हफ्ते में 11.47 अरब डॉलर उछलकर 740.80 अरब डॉलर के नये सर्वकालिक रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इसके एक हफ्ते पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.39 अरब डॉलर रहा था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड था। इससे पहले 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के तत्कालीन सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन उसके बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट और बढ़े तनाव के बीच कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई थी। रिजर्व बैंक ने जून में रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली (एफसीएनआर) पहल की घोषणा की थी, जिसके बाद से भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। स्थानीय मुद्रा में तेज गिरावट के बीच शुरू की गई इस पहल से 132 अरब डॉलर से अधिक का नया प्रवाह आया है। आंकड़ों के मुताबिक 28 अगस्त को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक माने जाने वालीं विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.34 अरब डॉलर की उछाल के साथ अब 600.67 अरब डॉलर हो गईं।

टाटा संस के उत्तराधिकार की दौड़ में नरेंद्रन, अग्रवाल, आशीष चौहान शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस ने चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की तलाश तेज कर दी है। 275 अरब डॉलर से ज़्यादा के टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी ने चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की तलाश को तीन बड़े कॉर्पोरेट लीडर्स तक सीमित कर दिया है। सूत्र ने शनिवार को बताया कि इसके लिए तीन प्रमुख कॉरपोरेट दिग्गजों टाटा स्टील के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन, टाटा संस के कार्यकारी निदेशक एवं समूह सीएफओ सौरभ अग्रवाल और एनएसई के एमडी एवं सीईओ आशीष चौहान के नाम उभरकर सामने आए हैं। सूत्रों ने कहा कि टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने छांटे गए उम्मीदवारों के नाम शीर्ष सरकारी नेतृत्व को बता दिए हैं। इन नामों पर गहन विचार-विमर्श के बाद फैसला होने की संभावना है। अगला चेयरमैन की चयन प्रक्रिया में टाटा संस के बोर्ड और होल्डिंग कंपनी को नियंत्रित करने वाले ट्रस्टों की इसमें अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि एन चंद्रशेखरन ने 2017 में टाटा संस के चेयरमैन का पद संभाला था। वर्तमान में वह अपना दूसरा पांच साल का कार्यकाल को पूरा कर रहे हैं, उन्होंने पिछले महीने ही घोषणा की थी कि 20 फरवरी 2027 को कार्यकाल समाप्त होने पर वह पुनर्नियुक्ति की मांग नहीं करेंगे।

'सरदार 2 को सेंसर बोर्ड की मंजूरी, मिला यू/ए सर्टिफ़िकेट, 10 सितंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेता कार्थी की बहुप्रतीक्षित जासूसी-एक्शन फिल्म 'सरदार 2 को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से यू/ए प्रमाणपत्र मिल गया है। फिल्म अब 10 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कार्थी दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की अवधि करीब 2 घंटे 59 मिनट बताई जा रही है। प्रमाणपत्र मिलने के बाद फिल्म की रिलीज को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। निर्माता इसे पिछली कड़ी की तुलना में अधिक बड़े पैमाने, गहरे कथानक और रोमांचक जासूसी-एक्शन के रूप में पेश कर रहे हैं। फिल्म के हाल में जारी किए गए करीब तीन मिनट लंबे प्रचार वीडियो को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसमें अभिनेता एस.जे. सूर्या को खतरनाक खलनायक 'ब्लैक डैगर के रूप में पेश किया गया है। प्रचार वीडियो में कार्थी के दोनों किरदारों, अंतरराष्ट्रीय जासूसी अभियान, जोरदार मारधाड़ और भावनात्मक टकराव की झलक देखने को मिलती है। कार्थी और एस.जे. सूर्या के बीच होने वाले टकराव को लेकर भी दर्शकों में खासा उत्साह है। फिल्म के प्रचार वीडियो के सामने आने के बाद दोनों अभिनेताओं के आमने-सामने होने वाले दृश्यों की चर्चा तेज हो गई है।

हाल ही में फिल्म की टीम की बातचीत ने भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाई है। कार्थी ने अच्छी फिल्मों के साथ-साथ अपनी चर्चित फिल्म 'कैथी 2 को लेकर दर्शकों की उम्मीदों पर बात की। वहीं, प्रचार वीडियो के विमोचन के दौरान एस.जे. सूर्या ने कार्थी के समर्पण और उनके करियर से जुड़े अलग तरह के फैसलों की सराहना की। कार्थी ने पहली 'सरदार फिल्म के पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश को भी याद किया। इससे संकेत मिलता है कि नई कड़ी में भी मनोरंजन के साथ सामाजिक मुद्दों को महत्व दिया गया है। तेलुगु भाषी दर्शकों तक फिल्म को पहुंचाने की जिम्मेदारी अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने संभाली है। इसके माध्यम से 'सरदार 2 को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म में कार्थी और एस.जे. सूर्या के अलावा मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और रजिषा विजयन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। संगीत सैम सी.एस. ने दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्माए गए दृश्यों, बड़े पैमाने के एक्शन और जासूसी कहानी के कारण फिल्म से काफी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

नीति मोहन ने माहिया को बताया प्यार और अपनापन बयां करने वाला गीत, बोलीं- इसमें सच्चा एहसास है

प्लेबैक सिंगर नीति मोहन अपनी सुरीली आवाज से एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी आवाज में रिकॉर्ड किया गया नया गीत माहिया जल्द आने वाली वेब सीरीज द रिवॉल्यूशनरीज में सुनाई देगा। यह गाना सीरीज की प्रेम कहानी को आगे बढ़ाते हुए उसके मुख्य किरदारों के बीच पनप रहे प्यार, अपनापन और गर्मजोशी को खूबसूरती से सामने लाता है। माहिया में सीरीज के मुख्य किरदार सचिंद्र नाथ सान्याल और प्रतिभा लाहिड़ी के बीच पनपते रोमांस को दिखाया गया है। सचिंद्र नाथ सान्याल का किरदार रोहित सराफ निभा रहे हैं, जबकि प्रतिभा लाहिड़ी के किरदार में प्रतिभा रांटा नजर आएंगी। गाने में दोनों के बीच बढ़ते रिश्ते और एक-दूसरे के प्रति पैदा हो रहे खास एहसास को जगह दी गई है। माहिया एक लव सॉन्ग है, जो उस खुशी को बयां करता है, जब जिंदगी में कोई ऐसा शख्स आता है, जो आपके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। गीत के बोल बार-बार इसी भावना को दिखाते हैं कि प्यार करने वाले के लिए उसकी मोहब्बत ही सब कुछ होती है। इस गाने को आकाशदीप सेनगुप्ता ने संगीत दिया है। इसे नीति मोहन और तुषार जोशी ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल टोलिया लवराज सिंह और गौरव चक्रवर्ती ने लिखे हैं। नीति मोहन ने इस गीत को लेकर अपने अनुभव साझा किए और कहा, माहिया बहुत खूबसूरत और सुकून देने वाला गीत है। मुझे इसकी धुन और बोल में छिपी भावनाएं बेहद पसंद आईं। खास तौर पर यह बात अच्छी लगी कि गाने में शख्स उस महिला की यादों में खोया रहता है, जिससे वह प्यार करता है। वह महिला उसकी हर एहसास में है और गाने के जरिए वह उसे यह बताने की कोशिश करता है कि वह उसके लिए सब कुछ है। नीति ने आगे कहा, इस भावना में मुझे एक तरह की सच्चाई और सहजता महसूस होती है। प्यार का यह एहसास बिना किसी दिखावे के बहुत स्वाभाविक तरीके से सामने आता है। तुषार जोशी के साथ इस गीत को आवाज देना मेरे लिए काफी अच्छा अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि श्रोता गाने की रोमांटिक धुन को पसंद करेंगे और इसे सुनते हुए जिंदगी के खूबसूरत प्यार भरे पल भी याद आएंगे। द रिवॉल्यूशनरीज की कहानी सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और इसमें भारत की आजादी की लड़ाई की उन कहानियों को सामने लाने की कोशिश की गई है, जिनके बारे में कम बात हुई है। यह सीरीज संजीव सान्याल की चर्चित किताब रिवॉल्यूशनरीजः द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रीडम पर आधारित है। सीरीज की कहानी संजुक्ता चावला शेख, अक्षिता वाधवाना, शोभित नारंग और रुत्वी मेहता ने लिखी है। सीरीज में रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा के अलावा भुवन बाम और गुरफतेह पीरजादा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं जेसन शाह, पाओली डैम और तोता रॉय चौधरी भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। द रिवॉल्यूशनरीज का निर्देशन और निर्माण निखिल आडवाणी ने किया है। इसे मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी ने एम्मे एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया है। यह सीरीज 11 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर 28वें दिन 'हनुमान अंश ने की बंपर कमाई, टॉक्सिक का बुरा हाल

बॉक्स ऑफिस पर एक ओर रॉकिंग स्टार यश और कियारा आडवाणी की फिल्म 'टॉक्सिक की कमाई लगातार कमजोर होती जा रही है, वहीं धार्मिक भावनाओं से जुड़ी फिल्म 'हनुमान अंश ने अचानक जोरदार वापसी करते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। 'टॉक्सिक को जहां शानदार शुरुआत के बाद लगातार गिरती कमाई का सामना करना पड़ रहा है, वहीं 'हनुमान अंश ने रिलीज के 28वें दिन भी मजबूत कारोबार किया है। यश की 'टॉक्सिक ने पहले दिन 101.10 करोड़ रुपये की शानदार कमाई के साथ शुरुआत की थी। हालांकि इसके बाद फिल्म के कारोबार में लगातार गिरावट देखने को मिली। दूसरे दिन फिल्म ने 37.65 करोड़, तीसरे दिन 27.20 करोड़, चौथे दिन 25.15 करोड़, पांचवें दिन 23 करोड़, छठे दिन 7.65 करोड़, सातवें दिन 7.85 करोड़ और आठवें दिन 5.45 करोड़ रुपये कमाए। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के नौवें दिन यानी दूसरे गुरुवार को करीब 4.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की नौ दिनों की कुल शुद्ध कमाई 239.30 करोड़ रुपये हो गई है। 'टॉक्सिक के कारोबार में आई गिरावट को फिल्म के लिए चिंता का विषय माना जा रहा है। कथित तौर पर करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस फिल्म ने नौ दिनों में अभी तक अपनी अनुमानित लागत का आधा हिस्सा भी नहीं जुटाया है। ऐसे में फिल्म के लिए 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना भी चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर 'हनुमान अंश' का चमत्कार

द मूवी के हिंदी और तेलुगु संस्करण प्रदर्शित होने वाले हैं। नई फिल्म की वजह से 'टॉक्सिक के सामने दर्शकों और सिनेमाघरों में प्रदर्शन बनाए रखने की चुनौती और बढ़ सकती है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिक में यश ने दोहरी भूमिका निभाई है। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी। दूसरी ओर 'हनुमान अंश ने बॉक्स ऑफिस पर अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए अपनी कमाई में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है। नीम करौली बाबा की भक्ति से जुड़ी इस फिल्म की शुरुआत बेहद धीमी रही थी। पहले दो सप्ताह में फिल्म को दर्शक जुटाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन तीसरे सप्ताह के बाद इसकी कमाई में अचानक तेजी आई। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 28वें दिन यानी चौथे गुरुवार को करीब 11 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही भारत में फिल्म का 28 दिनों का कुल शुद्ध कारोबार 72.88 करोड़ रुपये हो गया है। कम बजट और धीमी शुरुआत के बावजूद 'हनुमान अंश का लगातार मजबूत होता कारोबार फिल्म के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। तीसरे सप्ताह के बाद दर्शकों की बढ़ती रुचि ने इसे कई बड़े बजट की फिल्मों के मुकाबले चर्चा में ला दिया है।

निःसंतान लोगों को आईवीएफ की जरूर कोशिश करनी चाहिए

दानापुर के नारी गुंजन बिहार महादलित विकास मिशन स्पेशल स्कूल और हॉस्टल में भोजपुरी अदाकारा और सिंगर अक्षरा सिंह ने अपना जन्मदिन मनाया। यहां एक्ट्रेस ने महादलित लड़कियों के साथ केक काटा और उनके साथ गाना गाते, संगीत का आनंद लेते हुए समय बिताया। उन्होंने इस मौके पर इंदिरा आईवीएफ का दौरा भी किया। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने कहा, मैं इंदिरा आईवीएफ के 11 साल पूरे होने पर यहां आई हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है कि इतने बड़े अवसर पर मुझे यहां बुलाया गया। खासतौर से मेरे जन्मदिन पर मैं यहां आई। उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहती हूं कि लोग यहां आएं और इंदिरा आईवीएफ से जुड़ें, ताकि आज जो विश्वभर में आईवीएफ जाना जा रहा है, और कई सारे ऐसे सपने हैं, जो पूरे हुए हैं, मां बनने का जो बहुत खूबसूरत सपना होता है, जहां एक औरत मां बनकर पूर्ण होती है, जो अपनी आशा से निराश है, या कई पिता ऐसे हैं, जो उम्मीद लगाए बैठे हैं, एक बार उन्हें आईवीएफ की जरूर कोशिश करनी चाहिए।

आई एम गेम की बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग

पहले दिन फिल्म ने कमाए 5.05 करोड़

दुलकर सलमान मलयालम सिनेमा में लौट आए हैं और उनकी नई फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। निहास हिदायत की डायरेक्ट की हुई एक्शन फैंटेसी थ्रिलर आई एम गेम 3 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। साउथ एक्टर दुलकर के फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला रहा है, लेकिन सोशल मीडिया पर शुरुआती रिव्यू मिले-जुले रहे हैं। फिर भी शुरुआती बॉक्स ऑफिस के आंकड़े बताते हैं कि फिल्म ने अपने पहले दिन शानदार कमाई की।

सैकनिल्क के ताजा आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने अब तक भारत में 5.05 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसे मलयालम, तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में रिलीज किया गया है, जिससे दुलकर सलमान की इस फिल्म की पहुंच सिनेमाघरों में ज्यादा हो गई है। शुरू में आई एम गेम के ओणम सीजन में रिलीज होने की उम्मीद थी। यह फिल्म पृथ्वीराज सुकुमारन की खलीफा और बेथलहम कुडुम्बा यूनिट जैसी फिल्मों के साथ त्योहारों के दौरान बॉक्स ऑफिस की होड़ में शामिल होने वाली थी। हालांकि, इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया और फिल्म 3 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। देरी के बावजूद इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों में फिल्म देखने का क्रेज कम नहीं हुआ। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई किंग ऑफ कोठा के बाद मलयालम सिनेमा में दुलकर सलमान की वापसी है। आंकड़ों के अनुसार आई एम गेम अपनी ओपनिंग वाले दिन 358 शहरों के 847 थिएटरों में 2,425 शो में दिखाई गई। लगभग 230,956 टिकट बिके, जिससे कुल ऑक्यूपेंसी 35.9त्न रही। ये आंकड़े एक अच्छी शुरुआत का संकेत देते हैं। हालांकि, फिल्म को अपनी ओपनिंग को एक मजबूत थिएट्रिकल रन में बदलने के लिए अगले कुछ दिनों तक अपनी रफ्तार बनाए रखनी होगी। निहास हिदायत द्वारा निर्देशित आई एम गेम एक एक्शन फैंटेसी थ्रिलर है और इसमें दुलकर सलमान लीड रोल में हैं। फिल्म में कयादु लोहार, मिस्किन, एंटनी वर्गीज, संयुक्ता विश्वनाथन, कथिर, विनय फोर्ट और पार्थ तिवारी भी हैं। इस फिल्म को वेफेयरर फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है और इसे चार भाषाओं में रिलीज किया गया है। आई एम गेम के अलावा एक्टर जल्द ही फिल्म श्री श्री और लकी भास्कर 2 में भी नजर आने वाले हैं। श्री श्री में पूजा हेगड़े लीड रोल में होंगी और इसका निर्देशन रवि नेलाकुदिति कर रहे हैं। इसमें दीक्षित शेट्टी भी एक अहम भूमिका में दिखाई देने वाली हैं।

'लव लॉटरी' का रोमांटिक गाना 'नज़र लग जाएगी' रिलीज

आगामी हिंदी कोर्टरूम सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लव लॉटरी' का रोमांटिक गाना 'नज़र लग जाएगी' रिलीज हो गया है। इस फिल्म में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय और हेली दारूवाला मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उत्तराखंड की खूबसूरत वादियां इसके दृश्यों को और आकर्षक बनाती हैं।

'नज़र लग जाएगी' को उत्तराखंड की प्राकृतिक लोकेशन पर फिल्माया गया है। पहाड़ों का शांत वातावरण, हरियाली और प्रकृति के बीच रोमांटिक दृश्यों के जरिए फिल्म के किरदारों के रिश्ते में मौजूद प्यार और भावनाओं को सामने लाने की कोशिश की गई है। जावेद अली और राधिका भिड़े की आवाज से सजे इस गीत का संगीत वरुण मिश्रा और अरविंद पांडे ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल भी अरविंद पांडे ने लिखे हैं। गीत में अक्षय और हेली के बीच की सहज केमिस्ट्री दिखाई गई है। अक्षय ओबेरॉय और हेली दारूवाला की सहज अदाकारी गीत को स्वाभाविक और भावनात्मक एहसास देती है। गीत की सिनेमैटोग्राफी नवीन वी. मिश्रा ने की है, जबकि इसकी कोरियोग्राफी देवेंद्र चतुर्वेदी ने संभाली है। निर्देशक एवं संगीत निर्देशक अरविंद पांडे के मुताबिक, गीत के जरिए किरदारों के रिश्ते के भावनात्मक और रोमांटिक पहलू को सरल तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की सादगी और प्राकृतिक सुंदरता ने गाने के लिए उपयुक्त माहौल तैयार किया। फिल्म के निर्माता कुलदीप भार्गव ने बताया कि 'लव लॉटरी' प्यार, विश्वास और शादी जैसे रिश्तों से जुड़े जटिल सवालों को सस्पेंस और कानूनी संघर्ष की पृष्ठभूमि में पेश करती है। उनके अनुसार 'नज़र लग जाएगी' फिल्म की कहानी के उस हिस्से की झलक देता है, जहां रिश्ते में प्यार और भरोसा है, लेकिन आगे चलकर परिस्थितियां नाटकीय रूप लेती हैं। सिनेमा गंज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन अरविंद पांडे ने किया है और कहानी अंकुर खत्री ने लिखी है। फिल्म में अक्षय ओबेरॉय, हेली दारूवाला और कबीर दुहन सिंह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा विजयांत कोहली, संतोष शुक्ला, हेमंत पांडे, इंदिरा कृष्णन, अग्नि अय्यारी और विक्रम शर्मा सहित कई कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

बाढ़ पीड़ितों का दर्द बांटने नेपाल पहुंचे सोनू सूद, तबाही का लिया जायजा

ने नेपाल के बाढ पीडितों का दर्द बांटने बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद अपनी टीम के साथ काठमांडू पहुंच गए हैं। पीडितों के लिए राहत सामग्री लेकर पहुंचे सोनू ने नेपाल की त्रिशूली नदी के किनारे हुई तबाही का जायजा लिया। बाढ़ पीड़ितों के लिए सोनू सूद ने सहायता का हाथ बढ़ाकर प्रभावितों को उम्मीद की किरण दिखाई है। सोनू सूद ने बताया कि वे बाढ़ पीड़ितों से मिलने और उन्हें राहत सामग्री बांटने आए हैं। उनकी कोशिश है कि लोगों की ज़िंदगी को फिर से बसाने में मदद कर सकें। वे अपने साथ बड़ी मात्रा में कंबल और खाने-पीने का सामान लाए हैं, और उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आने वाले महीनों में भी नेपाल को लगातार मदद मिलती रहेगी। उन्होंने तबाही के मंजर को बहुत भयानक बताते हुए कहा कि आंखों के सामने सब बर्बाद हो चुका है। उन्होंने एक हरे घर की ओर इशारा किया जो चमत्कारिक रूप से बाढ़ के बावजूद बच गया, जबकि गांव का बाकी हिस्सा पूरी तरह तबाह हो चुका था और वहां तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं था। सोनू सूद ने उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनके घर और परिवार उजड़ गए हैं और जो अभी भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि सब मिलकर उनकी मदद कर पाएंगे, ताकि नेपाल फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सके। सोनू सूद ने यह भी कहा कि उनकी टीम सबसे मुश्किल जगहों तक पहुंचने और जितनी हो सके, उतनी मदद करने की पूरी कोशिश कर रही है।

BRIFF NEWS

AIX crew member under scanner after handwriting probe

New Delhi, Agency: Matching handwriting on a threat note found in the lav of a diverted Air India Express international flight with that of all 40 people on board has reportedly brought a crew member under the scanner of investigating agencies.

A passenger's role is also being probed. This Monday's Dammam-Delhi flight (IX 170) was diverted to Ahmedabad after a tissue paper with the words "bomb red 430" written on it and a box, both in black ink, drawn on it was found in the lav. On landing in Ahmedabad, AI Express filed a complaint with the airport police, seeking a probe into who might have written the threat note.

SC: BCI writ runs only over lawyers, not law students

New Delhi, Agency: Supreme Court Thursday ruled that Bar Council of India has no jurisdiction to discipline or regulate law students and quashed its letters threatening to debar Nalsar University law graduates from registering as advocates for opposing an invitation to CJI Surya Kant as chief guest at the institute's annual convocation.

Despite BCI chairperson Manan Kumar Mishra pleading for closure of the issue saying that the objectionable letters to the Hyderabad institute on Aug 13 were withdrawn within hours, a bench of CJI Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana said the ambit of BCI's powers, as the statutory regulatory body for the legal profession, is required to be delineated.

Terrorist hideout busted in Reasi, arms & ammo seized!

Jammu, Agency: A joint team of security forces discovered a terrorist hideout and seized a cache of arms and ammunition during a search operation in Mahore tehsil in J&K's Reasi district on Thursday.

Based on inputs from the local Army intelligence unit, a joint team of the Army's 58 Rashtriya Rifles and J&K Police's Special Operations Group launched an anti-terror operation in the forested Khataji Ridge area. After intensive combing of the tough terrain, the search party busted a hideout, officials said.

The recovery included 140 AK-47 rounds, an AK magazine, 19 PIKA LMG (Light Machine Gun) rounds, 25 rounds of 9mm pistol, one pistol, a grenade, medicines and six cassettes.

India Belgium deepen defence clean-energy ties; to double trade

New Delhi, Agency: India and Belgium signed deals to deepen defence and clean-energy ties and agreed to double bilateral trade within five years as PM Modi held talks with Belgian counterpart Bart De Wever, the first Belgian PM to visit India in nearly two decades, reports Sachin Parashar.

Following the talks, Modi pitched India's 7.8% growth in the last quarter as an opportunity for the world. In a joint statement with De Wever, Modi said global conflicts were causing major upheaval, disrupting food, fuel and supply chains, and creating uncertainty across sectors.

"Today, India's growth story is becoming a source of confidence and new opportunities for the world," said Modi.

PM Narendra Modi announced a mechanism to fast-track investment between the two countries. Belgium accounted for $4.2bn of FDI inflows from April 2000 to Dec 2025, making it the 18th-largest source of FDI into India. De Wever's visit resulted in 10 major outcomes - five MoUs, including two to boost indigenous defence manufacturing, co-design and co-development, and another five announcements, including appointment of a defence attache in Indian embassy in Brussels.

Asked whether there was any discussion on pending extradition of fugitive Mehul Choksi, who remains in a Belgium jail, MEA secretary Sibi George said law enforcement cooperation was an "important topic of discussion and an important aspect of the relationship with Belgium".

"All issues of concern and interest are discussed at all levels of our engagement ... India remains committed to ensuring that fugitives are brought back to the country to face the law," he added.

Modi said ties with Belgium had expanded beyond traditional sectors. "Defence and security cooperation is a key pillar of our relationship.

Profound inspiration for selfless action

PM Modi extends greetings to nation on Janmashtami

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi on Friday extended his greetings to the people on Janmashtami, Lord Krishna's birthday.

PM Modi said the divine messages of Krishna have guided humanity and inspire selfless action.

In a post on X, PM Modi wrote, "Heartfelt Janmashtami greetings to all of you. In the divine messages of Lord Shri Krishna lies the profound inspiration for selfless action, which has continuously guided humanity. May this sacred occasion, dedicated to his devotion and worship, infuse positive energy and strength into everyone's life-that is my heartfelt wish. Jai Shri Krishna!"

President Draupadi Murmu also expressed her best wishes to all Indians living in the country and abroad.

She asked people to resolve towards building an inclusive and developed India by embracing the ideals of Lord Krishna.

"The life and teachings of Lord Krishna infuse new vitality into Indian culture and philosophy; He showed the path of truth, righteousness, justice, compassion, and selfless action", the President wrote on X. Minister of home affairs, Amit Shah, extending his greetings, calling Lord Krishna the embodiment of righteousness, ethics, and public welfare

"Heartfelt greetings to all fellow citizens on the auspicious occasion of Shri Krishna Janmashtami", he wrote on X.

To impart nationalistic learning, Bengal to have 1,000 RSS-run schools within a year: Suvendu

Kolkata, Agency: Bengal chief minister Suvendu Adhikari set a target Thursday to establish at least 1,000 schools run by RSS's education wing Vidya Bharati in every district, municipality and panchayat within a year. He also suggested a plan to merge the state's four education departments into one, specifying that there would be no separate administration for madrassa education.

Adhikari, who spoke at an event to mark the 74th anniversary of Vidya Bharati at Ramakrishna Mission Institute of Culture, urged the body to shoulder the responsibility of imparting what he termed "nationalistic learning". He invited its brass to the secretariat to meet officials and take the initiative forward.

Bengal has 313 such schools. Nationally, Vidya Bharati runs over 12,000 schools and 10,000 Bal Sanskar Kendras. The CM said he wanted the organisation to focus on establishing more schools in Murshidabad and South 24 Parganas, alleging that "more anti-national activities take place" in these districts. The erstwhile TMC govt, he said, polluted the education environment and institutions like Vidya Bharati would need to "help the state come out

of this". He accused TMC of even twisting the Bengali syllabus to divide people. "Mother was referred to as 'amma' and not 'ma'... The syllabus was created in such a way that Ishwar Chandra Vidyasagar's or Swami Vivekananda's lessons remained neglected..."

Invoking Syama Prasad Mookerjee's call of "ek desh, ek bidhan, ek nishan, ek pradhan", the CM said it would apply to education, too. "We won't allow an arrangement where the higher education department will look after all universities, while another department will look after Aliah University," he said. Aliah University is currently managed by the state's minority affairs department. "I felicitated the board toppers. Later, the minority affairs department sent a separate file containing the names of 27 Muslim students. I asked why? ... I have already felicitated 20 students, and they include Muslims,

Cruise tourism gets a boost as govt clears e-group visa

New Delhi, Agency: As the govt focuses on positioning India as a leading global cruise destination, the home ministry has introduced e-group visit visa (cruise) for foreign tourists arriving in India on cruise vessels which follow a fixed and predetermined itinerary.

The nationals of all 172 countries currently eligible for e-tourist visa can avail of the dedicated e-group visit visa for cruise travel. The latter will authorise the foreign nationals arriving on cruise ships to enter India from any of the 38 designated e-visa enabled seaports. The

e-group visit visa (cruise) will have a validity of 30 days and allow multiple entry.

The cruise operator or agent of the vessel will need to submit the application for e-group visit visa for international passengers via the specified portal or mobile app, three days before berthing of the vessel at the first Indian port. No fresh application will be accepted beyond this cut-off.

There is no limit on the number of tourists allowed on an e-group visit visa (cruise), home ministry sources told TOI. The details of the foreign passengers - name, nationality, passport number and issue/expiry date, etc - can be uploaded in bulk on the specified portal (indianvisaonline.gov) or mobile app.

The e-group visit visa shall contain a QR code. Passengers may use this QR code at immigration checkpoints at the port of entry and for further travel within India, as per the fixed cruise itinerary.

"Easier visa and immigration procedures will encourage international cruise companies to include Indian ports in their itineraries. This will also generate wider economic benefits for ports, hotels, restaurants, transport operators, touring businesses and local communities," said an MHA official. The govt has, since 2024, launched two major initiatives to boost cruise tourism in India, given the great potential that the country's 7,500-km coastline and a network of 110 navigable waterways connecting 400 rivers, presents, as per a PIB statement issued in April last year.

Chhattisgarh tops Jal Shakti ministry campaigns for rainwater harvesting and groundwater recharge

New Delhi, Agency: Chhattisgarh has emerged as the top-performing state in Ministry of Jal Shakti's 'Jal Sanchay Jan Bhagidari and Catch the Rain campaigns' for community-led rainwater harvesting and groundwater recharge. Five districts of the state-Surajpur, Mahasamund, Balod, Balodabazar-Bhatapara and Kabirdham-have also secured places among the country's top 10 districts for water conservation.

Chief minister Vishnu Deo Sai presented the state's water conservation model at the ministry's departmental summit here in the presence of Prime Minister Narendra Modi on Wednesday.

Launched in Sept 2024, the 'Jal Sanchay Jan Bhagidari' (JSJB) initiative has placed community partnership and ownership at the heart of water conservation. It focuses on constructing low-cost groundwater recharge and water storage structures and reviving defunct borewells.

As of Sept 3, more than 1.58 crore artificial groundwater recharge structures have been constructed in the country. During the third edition of the campaign, Chhattisgarh moved to the first position nationally, with 79,775 water structures registered and 77,719 completed.

"The government's approach is not merely about creating structures for water conservation. It is also about fostering a culture of responsibility around water. JSJB places people's participation at the centre of water management. It brings together communities, Panchayats, institutions and other stakeholders on locally appropriate solutions," said the ministry in a statement.

EAM Jaishankar meets Zelenskyy in Kyiv Talks focus on bilateral cooperation, Russia-Ukraine conflict

New Delhi, Agency: External affairs minister S Jaishankar on Thursday met Ukrainian president Volodymyr Zelenskyy during his visit to Kyiv, with discussions focusing on bilateral cooperation and possible approaches to ending

the ongoing conflict, Jaishankar said."Pleased to call on President @ZelenskyyUa today #Ukraine," Jaishankar said in a post on X.

He said he also briefed Zelenskyy on his discussions with Ukrainian foreign minister Andrii Sybiha on strengthening bilateral ties.

31-member parl panel set up to examine FCRA amendment bill

New Delhi, Agency: Three weeks after Lok Sabha decided to send the contentious Foreign Contribution (Regulation) Amendment Bill to a parliamentary committee for scrutiny, Speaker Om Birla Thursday named 31 members of the panel, with BJP MP Sanjay Jaiswal made chairperson.

BJP-led NDA's 19 MPs will be in the committee, while Congress has favoured members from minority communities as their representatives.

Opposition parties, including DMK, which

has split from the INDIA bloc, have been critical of the bill and supported concerns of Christian bodies that the bill's provisions will adversely impact NGOs run by them, a contention rejected by govt, even though it agreed to send the draft law for wider scrutiny to the panel to evolve a consensus With many parties taking time in nominating their choices, the committee's constitution was held up. It has 21 members from Lok Sabha and 10 from Rajya Sabha, and was asked to submit its report by the last day of the first week of Parliament's winter session. However, a committee's tenure is often extended to allow it to engage in consultation with different stakeholders.

NDA's members include Bhartruhari Mahtab, Nishikant Dubey and Tejasvi Surya of BJP, Sanjay Jha of JDU, Lavu Sri Krishna of TDP and Praful Patel of NCP.

Congress MPs include Anto Antony, Viriato Fernandes, Hamdullah Sayeed and Christopher Manickam. DMK's P Wilson, a lawyer and vocal critic of the bill, is also its member besides NCP-SP's Supriya Sule and TMC's Kalyan Banerjee and Menaka Guruswamy, both lawyers.

Critics' main argument against the amendment bill is that it allows the executive to take control of assets of an organisation if its FCRA license is withdrawn or not renewed.